बर्षः- 06
अंकः- 45
मुरादाबाद
(Friday)
05 June 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम से वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति रोड्रिगेज ने की मुलाकात, राजघाट भी पहुंचीं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज से मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की। वार्ता में ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, निवेश, फार्मास्यूटिकल्स, स्वास्थ्य सेवा, परिवहन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया गया। इससे पहले रोड्रिगेज ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ मुलाकात की थी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज से मुलाकात की। नेताओं की यह मुलाकात हैदराबाद हाउस में हुई। संभावना जताई जा रही है कि दोनों नेताओं ने भारत-वेनेजुएला संबंधों के कई आयामों पर चर्चा की।

इनमें ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार और निवेश, फार्मास्यूटिकल्स, स्वास्थ्य सेवा, परिवहन और नवीकरणीय ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित किया गया।पीएम नरेंद्र मोदी के साथ मुलाकात के बाद डेल्सी रोड्रिगेज ने नई दिल्ली स्थित महात्मा गांधी की समाधि राजघाट पहुंचकर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की और अपनी श्रद्धांजलि दी। इससे पहले विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रोड्रिगेज से मुलाकात की और दक्षिण अमेरिकी राष्ट्र के साथ भारत की मजबूत होती साझेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। एक्स पर एक पोस्ट में जयशंकर ने कहा कि वह आज नई दिल्ली में वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज से मिल कर खुशी हुई। उन्होंने भारत-वेनेजुएला संबंध के प्रति उनकी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता की सराहना की।विदेश मंत्री जयशंकर ने मुलाकात पर क्या कहा?

मंत्री ने कहा, मैं भारत-वेनेजुएला संबंध के प्रति उनकी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को गहराई से महत्व देता हूं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि रोड्रिगेज की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात दोनों देशों के बीच सहयोग को और मजबूत करेगी। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज बुधवार को भारत और वेनेजुएला के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा करने के उद्देश्य से पांच दिवसीय कार्य यात्रा पर राष्ट्रीय राजधानी पहुंचीं। वेनेजुएला की नेता का स्वागत करते हुए विदेश मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इस यात्रा से दोनों देशों को सहयोग को मजबूत करने और अपनी द्विपक्षीय साझेदारी में गति लाने का अवसर मिलेगा। पोस्ट में कहा गया, नई दिल्ली आगमन पर वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज का हार्दिक स्वागत है। अपनी यात्रा के दौरान, कार्यवाहक राष्ट्रपति रोड्रिगेज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगी। यह यात्रा भारत-वेनेजुएला संबंधों को और गहरा करेगी और द्विपक्षीय साझेदारी में गति लाएगी। रोड्रिगेज के दौरे पर किन मुद्दों पर होगी चर्चा?- एक विज्ञप्ति के अनुसार, विदेश मंत्रालय ने बताया कि यह यात्रा तीन जून से सात जून तक चलेगी। रोड्रिगेज पहले एक जून को अंतर्राष्ट्रीय बिग कैट अलायंस शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत आने वाली थीं, जिसे बाद में स्थगित कर दिया गया था। वह अब वेनेजुएला के विदेश मामलों, अर्थव्यवस्था और वित्त, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, संचार और सूचना, और परिवहन मंत्रियों सहित एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ एक औपचारिक कार्य यात्रा पर हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार, उच्च-स्तरीय चर्चाओं के दौरान, दोनों पक्षों से भारत-वेनेजुएला संबंधों के पूरे स्पेक्ट्रम की समीक्षा करने और ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार और निवेश, फार्मास्यूटिकल्स, स्वास्थ्य सेवा, परिवहन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने के तरीकों का पता लगाने की उम्मीद है।

संक्षिप्त समाचार

देश में आर्थिक सुनामी की चेतावनी पर रामभद्राचार्य बोले- राहुल गांधी भ्रम के शिकार हैं

रामभद्राचार्य ने कहा कि हमने तो पहले ही कह दिया है कि गाय विश्वमाता है। अब इसे राष्ट्रमाता घोषित करने की जरूरत ही नहीं है और जो लोग कह रहे हैं कि गाय को राष्ट्रमाता घोषित करो वो क्यों बकरीद पर गायें कटवाते हैं।देश में आर्थिक सुनामी आने के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान पर जगद्गुरू रामभद्राचार्य ने कहा कि वो भ्रम के शिकार हैं। हमारा देश सोने की चिड़िया था पर मैं चाहता हूं कि हमारा देश सोने का सिंघ बने। उन्होंने कहा कि मेरी यही इच्छा है कि हमारा देश निर्यातक बने और किसी भी चीज का आयात न करे। देश समृद्ध और संप्रभुता सम्पन्न हो यही मेरी कामना है।रमभद्राचार्य लखनऊ में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि साधु लोग नेतागिरी कर रहे हैं जबकि सभी को अपना धर्म का काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ धर्म का कल्याण कर रहे हैं और अच्छा काम कर रहे हैं।गाय विश्वमाता है, राष्ट्रमाता घोषित करने की आवश्कता ही नहीं- रामभद्राचार्य ने कहा कि हमने तो पहले ही कह दिया है कि गाय विश्वमाता है। अब इसे राष्ट्रमाता घोषित करने की जरूरत ही नहीं है और जो लोग कह रहे हैं कि गाय को राष्ट्रमाता घोषित करो वो क्यों बकरीद पर गायें कटवाते हैं।धर्म देखकर नहीं हो रहे एनकाउंटर- रामभद्राचार्य ने कहा कि प्रदेश में अपराधियों का एनकाउंटर हो रहा है।

स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़ों को लेकर केंद्र पर बरसे खरगे, बोले- अपनी नाकामियां छिपा रही है सरकार

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ह्स्न।स-6 के आंकड़ों को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सरकार महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य व पोषण से जुड़ी अपनी नाकामियों को छिपा रही है। आइए विस्तार से जानते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (ह्स्न।स-6) के आंकड़ों को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण के मुद्दों पर विफल रही है और अपनी नाकामियों को उजागर करने वाले महत्वपूर्ण आंकड़ों को छिपा रही है।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए खरगे ने कहा कि ह्स्न।स-6 के आंकड़ों ने भाजपा सरकार की पूर्ण अक्षमता को उजागर कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि देश में हर पांच में से एक बच्चा गंभीर कुपोषण का शिकार है, जबकि एक-तिहाई बच्चे कम वजन के हैं। इसके अलावा 6 से 23 महीने की उम्र के 84 प्रतिशत से अधिक बच्चों को पर्याप्त पोषण नहीं मिल रहा है। खरगे ने ह्स्न।स-5 के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि 15 से 49 वर्ष आयु वर्ग की 57 प्रतिशत महिलाएं एनीमिया से पीड़ित हैं और हर पांच में से एक महिला कुपोषित है। भाजपा पर साधा निशाना- कांग्रेस अध्यक्ष ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए पांच सूत्रीय फार्मूला अपनाती है, जिसमें चुनिंदा आंकड़ों को दबाना, कमजोर वर्गों की अनदेखी करना, सबका साथ और अमृत काल का प्रचार करना, जनमत को प्रभावित करना व प्रधानमंत्री की छवि बचाने पर जोर देना शामिल है। मंत्रालय ने क्या जानकारी दी?- वहीं, पिछले महीने स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय ने ह्स्न।स-6 की रिपोर्ट जारी करते हुए दावा किया था कि भारत ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण और सामाजिक विकास के कई संकेतकों में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। मंत्रालय के अनुसार, देश में 95.6 प्रतिशत बच्चों को अधिकांश टीके सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों के माध्यम से मिले हैं और विभिन्न सरकारी योजनाओं का सकारात्मक असर देखने को मिला है। वर्ष 2023-24 में आयोजित ह्स्न।स-6 सर्वेक्षण में देश के 715 जिलों के करीब 6.79 लाख परिवारों को शामिल किया गया था। सरकार का कहना है कि यह रिपोर्ट स्वास्थ्य, पोषण और परिवार कल्याण से जुड़े कार्यक्रमों की प्रभावशीलता को दर्शाती है, जबकि विपक्ष इन आंकड़ों के आधार पर सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रहा है।

नीट अभ्यर्थी की मौत पर ममता बनर्जी का केंद्र पर हमला, बोलीं- युवाओं से विश्वासघात कर रही है सरकार

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक NEET अभ्यर्थी की मौत पर शोक जताते हुए केंद्र सरकार की शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यह कोई अकेली घटना नहीं है, बल्कि शिक्षा प्रणाली में बढ़ती अनिश्चितता, पेपर लीक, अनियमितताओं और प्रशासनिक विफलताओं का परिणाम है। टीएमसी नेता ममता बनर्जी ने एक नीट (NEET) अभ्यर्थी की मौत पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए केंद्र सरकार की शिक्षा व्यवस्था पर तीखा हमला बोला है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी अपने बयान में ममता बनर्जी ने कहा कि देश ने एक ऐसे युवा जीवन को खो दिया है, जिसके भीतर सपनों का एक पूरा संसार बसता था। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि एक सपना भले ही बुझ गया हो, लेकिन उसका दर्द परिवार के साथ हमेशा रहेगा।यह कोई अकेली त्रासदी नहीं मुख्यमंत्री ने इस घटना को कोई अकेली त्रासदी मानने से इनकार करते हुए कहा कि यह भाजपा शासन में देश की शिक्षा व्यवस्था में बढ़ती अनिश्चितता का गंभीर उदाहरण है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रश्नपत्र लीक, बार-बार सामने आने वाली अनियमितताओं और प्रशासनिक विफलताओं ने छात्रों की मेहनत और प्रतिभा को दांव पर लगा दिया है।सरकार ने योग्यता को जुए और निराशा में बदल दिया ममता बनर्जी ने कहा कि केंद्र सरकार ने योग्यता को एक जुए और उम्मीद को निराशा में बदल दिया है। उन्होंने भाजपा सरकार पर युवाओं के साथ लगातार विश्वासघात करने का आरोप लगाते हुए कहा कि मौजूदा व्यवस्था देश के छात्रों और युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने में विफल रही है।

रक्षा खरीद को मिलेगी रफ्तार, राजनाथ सिंह ने जारी किया डीएफपीडीएस-2026 का नया ढांचा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीएफपीडीएस-2026 जारी किया। इसके तहत रक्षा खरीद और परियोजनाओं के लिए वित्तीय शक्तियां बढ़ाई गई हैं। नई व्यवस्था से निर्णय प्रक्रिया तेज होगी, आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा और सशस्त्र बलों की परिचालन क्षमता मजबूत होगी।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज रक्षा सेवाओं के लिए वित्तीय शक्तियों के नए ढांचे (डीएफपीडीएस-2026) को जारी किया। इसके तहत राजस्व मद से होने वाली रक्षा खरीद के लिए 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय शक्तियां दी गई हैं।राजनाथ सिंह ने इस पहल के लिए रक्षा मंत्रालय और सशस्त्र बलों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इससे रक्षा खरीद प्रक्रिया अधिक तेज और प्रभावी होगी। रक्षा मंत्री ने कहा कि नई व्यवस्था से फील्ड कमांडरों को अधिक अधिकार मिलेंगे। इससे निर्णय लेने की प्रक्रिया में तेजी आएगी और सैन्य तैयारियां मजबूत होंगी।उन्होंने कहा कि यह ढांचा रक्षा क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देगा। साथ ही विदेशी उपकरण निर्माताओं पर निर्भरता कम करने में मदद करेगा। निजी कंपनियों, स्टार्टअप्स और एमएसएमई की भागीदारी भी बढ़ेगी।उन्होंने बताया कि निर्माण और आधारभूत ढांचा परियोजनाओं के लिए वित्तीय शक्तियों को दोगुना कर दिया गया है। इससे परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने में मदद मिलेगी। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, स्वदेशीकरण और अनुसंधान एवं विकास से जुड़ी वित्तीय शक्तियों में भी 100 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। इसका उद्देश्य रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत अभियान को मजबूत करना है। नई व्यवस्था के तहत मौजूदा बजट आवंटन के अनुसार 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की रक्षा खरीद को गति मिलेगी। सेना, वायुसेना और नौसेना के कमांडरों को दी गई विशेष वित्तीय शक्तियों में भी वृद्धि की गई है। तत्काल परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कुल वित्तीय सीमा को दोगुना किया गया है। नई व्यवस्था में संयुक्त सैन्य खरीद को बढ़ावा देने के लिए भी प्रावधान किए गए हैं। प्रमुख सेवा के माध्यम से होने वाली संयुक्त खरीद के लिए अधिक वित्तीय अधिकार दिए गए हैं। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि वित्तीय शक्तियों की अंतिम अधिसूचना वर्ष 2021 में जारी की गई थी। इसके बाद बलों के विस्तार, बढ़ते परिचालन खर्च और बजटीय आवंटन में वृद्धि को देखते हुए संशोधन आवश्यक हो गया था। इस अवसर पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

पीड़िता के पिता बोले: पाखंडी है आसाराम, जेल में बीमारी का बहाना, बेल मिलने पर नाचने-कूदने लगता है

दुष्कर्म के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम को जोधपुर जेल से अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस पर पीड़िता के पिता ने उसे पाखंडी बताया। उन्होंने कहा कि आसाराम जेल में बीमारी का बहाना बनाता है, जबकि जमानत पर वह स्वस्थ रहता है। नाबालिग के यौन उत्पीड़न के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम को जोधपुर जेल से अस्पताल में भर्ती कराए जाने पर शाहजहांपुर निवासी पीड़िता के पिता ने आसाराम को पाखंडी और मक्कार बताया। कहा कि आसाराम जेल में रहने पर बीमारी का बहाना बनाकर अस्पताल में भर्ती हो जाता है। जमानत मिलने पर फिर नाचने और कूदने लगता है।बिटिया के पिता ने बुधवार को कहा कि आसाराम 14 महीने तक अंतरिम जमानत पर रहा। तब उसे कोई बीमारी नहीं थी। जमानत मिलने पर इंदौर, अहमदाबाद, जोधपुर के आश्रम में नाचता रहा। अब जेल में पहुंचने पर बीमारी का बहाना बनाकर लेट गया। बोले, अस्पतालों में गंभीर बीमारी की बात लिखवाकर कोर्ट में जमानत (बेल) की अर्जी देता है। पिता ने कहा कि उसका उपचार जेल के अस्पताल में ही कराया जाए। पीड़िता के पिता ने बताया कि आसाराम के सहयोगियों को बरी किए जाने पर उन्होंने सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी कर ली है। अधिवक्ताओं से बात हो गई है। गर्मी का अवकाश होने के चलते 18 जून तक न्यायालय बंद हैं। उसके बाद याचिका दायर की जाएगी।

संपादकीय Editorial

Muslim drives out Muslim

The issue of infiltrators is not a simple one; it is extremely sensitive and complex. Diplomacy and our relations with Bangladesh are under increasing strain. This is not just a problem for India; Gulf Muslim countries, Europe, Britain, and the United States are also concerned. Ultimately, infiltrators are being driven out. Not all such people are infiltrators. However, a few examples from just Muslim countries will make it clear how delicate and pressing this problem is. Pakistan has forced more than 146,000 Afghan Muslims back to their countries in recent years. Both are Islamic countries. Iran is currently embroiled in a war, but before that, it had already expelled approximately 1.5 million Muslims from its country. Modern youth are desperately trying to move to Dubai, the dreamy, luxurious city of the United Arab Emirates. There are lucrative job packages and vast business opportunities. Dubai is also known as the "City of the Rich," but the UAE itself has forced more than 7,500 Pakistanis to leave. They weren't even given time to pack their belongings. Turkey, which considers itself the "Caliphate" of Muslims, has forced approximately 260,000 people to leave the country. Jordan has expelled over 150,000 refugees from the approximately 675,000 people it had sheltered to work in agriculture. Saudi Arabia went to extremes when it handcuffed and expelled 18,836 alleged illegal, unwanted immigrants. The United States also deported Indians in handcuffs and shackles, and we, as a nation, couldn't even utter a word. Similarly, Muslim countries are expelling mostly Muslims, yet no country has acknowledged their agenda. In the name of human rights, either silence was maintained or a blind eye was turned. The world accepted this "expulsion" as a matter of national security and national management of those countries' resources. But why does a political, social, and religious community in India, especially from Bengal, become agitated over the issue of expelling infiltrators from the country? The Indian government's response in the Rajya Sabha stated that there are approximately 20 million infiltrators in the country. Experts estimate this number to be 30-40 million, as in addition to Bengal, infiltrators are also present in states like Uttar Pradesh, Bihar, Kerala, Karnataka, Telangana, Maharashtra, and the capital, Delhi. For political reasons and electoral vote bank considerations, they have not been identified with any seriousness, and arresting and expelling them from the country is a distant dream. Now, a concrete roadmap has been developed for expelling infiltrators. The Union Home Ministry has formed a high-powered committee to conclude the reasons for demographic change and imbalance in the country. What are their underlying causes and factors? Ironically, this campaign is being labeled as the BJP's agenda, the Modi government's anti-Muslim policy. Now, provisions and regulations are being formulated to create biometric data of infiltrators, so that after being expelled, they cannot re-enter India. There are as many infiltrators in our country as four New Zealanders. There could be more. They also possess Indian documents like Aadhaar cards, voter ID cards, and ration cards. They have settled in India for years, purchased land, been beneficiaries of government schemes, have been usurping the country's resources, and some have even secured government jobs. It is not easy to expel such illegal infiltrators from the country. The Bangladesh government takes five years to identify its original residents, so cases remain pending, and infiltrators continue to enjoy biryani in detention centers. In many cases, Bangladesh does not even recognize infiltrators as its citizens. What can be done in such a situation? Should infiltrators be forcibly repatriated?

In memory of Suman Kalyanpur: The last Suman of the golden era of Indian cinema has passed away.

Playback singer Suman Kalyanpur passed away at the age of 89. Her melodious voice was often compared to that of Lata Mangeshkar. Despite this, she left behind a memorable legacy of Bollywood and Marathi songs. In Suman Kalyanpur, the last Suman of the golden era of Indian cinema has also passed away. Suman Kalyanpur breathed her last at the age of 89. Even in the era of great and revolutionary playback singers like Lata and Asha, Suman Kalyanpur kept her golden line of singing shining as brightly as possible without any complaints. Her journey in the world of Hindi cinema music ended with the song "Zindagi Imtihan Leti Hai" from the film "Naseeb." But she continued singing in Marathi and other languages ??even later. Similarity in the voices of Lata ji and Suman ji Suman Kalyanpur's strength and weakness was that her voice was very similar to that of the singing Saraswati Lata Mangeshkar. Listening to her delicate, gentle breeze-like, sweet voice, one is often confused as to whether the song was sung by Lata ji or Suman Kalyanpur. Despite this difficult challenge of being a contemporary, Suman Kalyanpur has sung many such songs, which will be credited only to her. For example, "I have extinguished the lamps of love with my own hands" (Shagun), "My beloved, don't go tonight" (Noormahal), "Sister has tied love to my brother's wrist" (Resham ki Dori), "My little angel is my darling" (Dil Ek Mandir), "Neither you know me, nor do I know you" (Baat Ek Raat Ki), "Just like that, my heart wanted to cry and cry, your memories have become an excuse" (Dil Hi To Hai), etc. Suman Kalyanpur's challenge was that she had to live and grow under the shadow of the sun in the form of Lata Mangeshkar. It was a challenge similar to trying to nurture spring under a banyan tree. While Lata Mangeshkar herself was active, progressing with a voice like hers, with a difference of only 19-20 notes between hers and Suman's, was like juxtaposing 22-carat gold with 24-carat gold. People were deceived by their singing styles and voices. It is undeniable that the difference between Suman and Lata's vocal structure and style is so subtle that even the most experienced connoisseurs can be fooled. The subtle difference in their vocal ranges can be felt in the tenth octave. Despite this unique vocal similarity, there was no direct competition between Suman Kalyanpur and Lata. By the time Suman Kalyanpur began singing in Hindi films in 1954, Lata had already established herself as a legendary playback singer in the film industry, and Suman Kalyanpur herself used to sing Lata's songs on stage during her college days. There was also an eight-year age difference between the two. Suman Kalyanpur herself never considered herself a competitor to Lata. However, after listening to her voice, critics even called her "Pratilatha." Because Lata's melodious voice was at its peak, Suman Kalyanpur was often assigned only those songs that Lata refused to sing, or because of her hefty fees, smaller composers would hire Suman instead. It is said that Lata Mangeshkar charged Rs. 100 per song in the 1960s, a significant sum at the time. In the late 1960s, following a much-publicized dispute between Lata Mangeshkar and Mohammed Rafi over royalties, the two stopped singing together for a while. In this situation, composers sought to supplement Lata's voice with Suman Kalyanpur's. Suman sang the most songs with Mohammed Rafi, a total of 137. These include "The heart is a temple..." (Dil Ek Mandir), "These days, our love is on everyone's lips" (Brahmachari), "Nana fell in love with you" (Jab-Jab Phool Khile), "You called and I came" (Rajkumar), "Evenings nestle on the mountain trees, there is golden light, there is champa darkness" (Shagun), and are still as popular today. Suman ji sang with almost all the major playback singers of her time. Among them were "You are my love, you are spring" (Saathi) with Mukesh, "Whose song did you sing?" (Meri Surat Teri Aankhen), or "If you come, love will come" (Sakhi Robin) with Manna Dey, "I don't know where you were, I don't know where we were (Zindagi Aur Khwaab)" with Kishore Kumar, "Your mine, mine and yours, our hearts have met..." (Nagin), and so on. The immortal hymn "Jai Jai He Jagadamba Mata" from the film "Ganga Ki Lahrein" "Dwar Tihare Jo Bhi Aata, Bin Mange Sab Kuch Pa Jaata" was also sung by Suman Kalyanpur and written by poet Majrooh Sultanpuri. Her first film song was recorded with renowned playback singer Talat Mahmood in 1954 for the film "Darwaza." However, Suman's fame began in the early 1960s. Many prominent composers utilized her voice to great effect in their compositions. In addition to Hindi, Suman Kalyanpur has sung many timeless songs in Marathi. In particular, her many non-film songs are invaluable treasures of Marathi light music. She has also lent her voice to songs in Bengali and other Indian languages. The hallmark of Suman Kalyanpur's personality is that she continued her practice as an excellent playback singer quietly, without joining any competition, without seeking self-satisfaction. As a true artist, Suman Kalyanpur continued to carve her own path on the slate of time. The thing is, even though her voice resembles Lata Ji, she doesn't seem to be imitating Lata Mangeshkar. It has the same sweetness, the same depth, and the same emotion. Even though it's hard to listen to, The person's ears may be deceived. The next moment, they become aware that this is not Lata, but Suman. Only a few meetings with Lata ji - It is said that despite possessing a voice like Lata ji, Suman ji and Lata ji met in person only five or six times, and that too for very short periods. Suman Kalyanpur credited her father, Shankarrao Hemadi, and her husband for her successful musical journey. It is said that her husband, Ramanand Kalyanpur, even put his business at stake for his wife's career. A famous song sung by Suman Kalyanpur from the film "Shama" is "Dil gam se jal raha hai, jale par dhoon na ho, koi imtihaan na ho." Honored with numerous awards - In the competitive world of playback singing, whatever Suman ji sang, she sang from the heart. The pain of not being able to reach the forefront of fame may have lingered in some corner of her heart, but it never came to the fore. Suman Kalyanpur received numerous awards for her outstanding contribution to playback singing. The Government of India honored her with the Padma Bhushan, and the Maharashtra Government with its highest civilian honor, the "Maharashtra Bhushan." Suman Kalyanpur's journey: Suman Kalyanpur sang a poignant song with Mohammed Rafi and Mukesh, "Dil ne phir yaad kiya, barq si laharai hai. Phir koi chot mohabbat ki ubhar aayi hai." In this same song, Sumanji's heart-rending voice sings the line, "What should I tell you, what is the fate of the flame, what is love except burning in grief..." This pain is not only of the heroine of that film, but perhaps also of the playback singer, who was perhaps not destined for the position she deserved in the realm of film music. But the difference between film heroines and real-life heroines is that real-life Gandharva singers like Suman Kalyanpur turn their limitations into their strengths. Suman Kalyanpur did just that. The era of film playback singing may not be etched in her name, but she left no stone unturned in inscribing her contribution to that era in golden letters.

Hollywood's 'Alien Hill' and its mystery: Learn about the famous folklore of Devils Tower

A famous 1977 Hollywood film gave America's Devils Tower the worldwide name "Alien Hill." Many indigenous communities have known this place by names like Bear Lodge or Bear's House. There's a famous folklore behind it. Residents say that a meteorite fell on their road late night about 30 years ago. Mobile networks also not working properly are here, and blame aliens for this. A massive rock suddenly rising skyward open grasslands of the US state of Wyoming appears from a distance like an object from another world. The 867-foot-tall Devils Tower has been attracting people for decades, but Steven Spielberg's famous 1977 film, "Close Encounters of the Third Kind," gave it worldwide recognition as "Alien Hill." Even today, thousands of people visit just to experience the mystical feeling that Hollywood immortalized on screen. Looking at Devils Tower, it's difficult to discern whether it's a natural formation or part of a massive machine. Its massive pillar-like surface makes it even more bizarre. According to scientists, it's the world's largest example of columnar jointing—a unique pattern of massive columnar cracks formed in rock as it cools. Some pillars are up to 10 feet wide. In 1906, then-President Theodore Roosevelt declared it America's first national monument. Many indigenous communities have known this place by names like Bear Lodge or Bear's House. According to a folktale, a huge bear rose up to save two little girls and tried to claw it. The long stripes visible on the tower's surface are believed to be the bear's claw marks. People believe that it may have gotten its name from mistaking bears for evil spirits (devils) or ominous spirits. Locals laugh at the question of whether aliens have really been seen here. Driskill, a resident, says that about 30 years ago, a meteorite fell on the road in front of him late at night. Mobile network is poor here, so many blame it on aliens. Devils Tower is no longer just a geological formation. It has become an example of that rare place where nature, tribal history, Hollywood fantasy, and modern tourism merge. Perhaps this is why, even five decades later, people come here not just to see the rock, but to experience the mystery that once captivated the world's imagination.

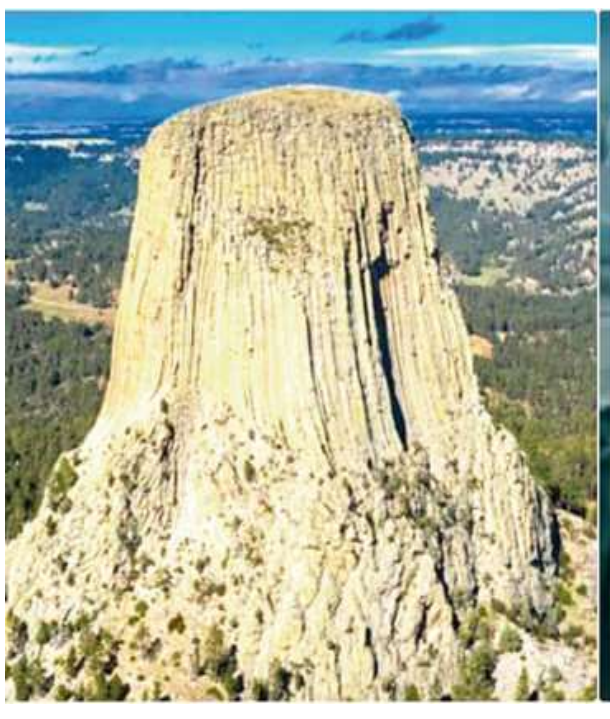

सात साल की बच्ची से दुष्कर्म में दोषी को 12 साल की कैद, 60 हजार का जुर्माना भी लगा

मुरादाबाद की एक अदालत ने नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 12 साल कैद की सजा सुनाई है। इसके अलावा 60 हजार का जुर्माना भी लगाया है।

जुर्माने की राशि में से आधी रकम पीड़िता को दी जाएगी।बालक न्यायालय/पॉक्सो एक्ट कोर्ट संख्या-1 की विशेष न्यायाधीश रेशमा चौधरी की अदालत ने बुधवार को सात साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म के मामले में दोषी को 12 साल कैद की सजा सुनाई है। घटना के समय दोषी की उम्र 16 साल थी। बिलारी थाना क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति ने अपने 16 वर्षीय भतीजे के खिलाफ दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई थी।बताया था कि गांव के पास ही उसका अमरूद का बाग है। 14 सितंबर 2016 की दोपहर करीब एक बजे उसने अपनी सात साल की बच्ची को बाग की रखवाली के लिए भेज दिया था। इसी दौरान हां आरोपी पहुंच गया और उसने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया।

लहूलुहान हालत में बच्ची घर पहुंची और परिजनों को बताया।पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। वहां से उसे राजकीय किशोर संप्रेक्षण गृह भेज दिया गया था। इस मामले की सुनवाई बालक न्यायालय/पॉक्सो एक्ट कोर्ट संख्या-1 की विशेष न्यायाधीश की अदालत में चली।अदालत ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद दोषी करार देते हुए 12 साल कैद की सजा सुनाई। 60 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने आदेश दिया है कि जुर्माने की राशि में से आधी रकम पीड़िता को दी जाएगी। किशोरी से छेड़खानी में दोषी को तीन साल की सजा- किशोरी से छेड़खानी के मामले में अदालत ने मंगलवार को मुलजिम सुधीर को दोषी करार देते हुए तीन साल की कैद की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर 30 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। छजलैट थाना क्षेत्र में रहने वाली किशोरी ने दो अक्तूबर 2018 को छजलैट थाने में संदलीपुर गांव निवासी सुधीर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें पीड़िता ने बताया कि घर में घुसकर आरोपी ने उसके साथ छेड़खानी की। पीड़िता ने विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट की और धमकी देकर भाग गया था। इस मामले की सुनवाई पॉक्सो एक्ट कोर्ट संख्या-दो की विशेष न्यायाधीश छाया शर्मा की अदालत में सुनाई हुई। अदालत ने मंगलवार को दोनों पक्षों को सुनने के बाद मुलजिम सुधीर को दोषी करार देते हुए तीन साल की सजा और 30 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है।

आईएफटीएम के पास छात्रों के दो गुट भिड़े, फायरिंग से मचा हड़कंप, मुरादाबाद पुलिस कर रही जांच

मुरादाबाद के आईएफटीएम विश्वविद्यालय के पास छात्रों के दो गुटों में विवाद और मारपीट हो गई। आरोप है कि इस दौरान हुई फायरिंग में छर्रे लगने से दो छात्र घायल हो गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। दिल्ली रोड स्थित आईएफटीएम विश्वविद्यालय परिसर में छात्रों के दो गुटों के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि इस दौरान फायरिंग भी गई। जिसमें छर्रे लगने से दो छात्र घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की। किसी भी पक्ष ने थाने में अब तक तहरीर नहीं दी है।विश्वविद्यालय में इन दिनों परीक्षाएं चल रही हैं। बताया जा रहा है कि बुधवार की सुबह करीब 11 बजे लाइब्रेरी के सामने मैकेनिकल डिप्लोमा तृतीय वर्ष के दो छात्र अनुज और प्रशांत खड़े थे। दोनों छात्र अमरोहा के रहने वाले हैं। इसी दौरान दूसरे गुट के चार छात्र और आ गए।दोनों पक्षों के बीच पहले से विवाद चल रहा है। दोनों गुटों में विवाद हो गया और मारपीट हो गई। आरोप है कि इस दौरान छात्रों ने फायरिंग भी की। जिसमें छर्रे लगने से छात्र अनुज और प्रशांत घायल हो गए। इसके बाद हमलावर छात्र भाग गए।सूचना मिलने पर विश्वविद्यालय प्रशासन के अधिकारी और पाकबड़ा पुलिस मौके पर पहुंची। घायल छात्रों तथा अन्य लोगों से पूछताछ की। घायल छात्र थाने पहुंचे और उन्होंने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। आईएफटीएम विवि के चीफ प्रॉक्टर सरदार हरप्रीत सिंह का कहना है कि घटना विवि के बाहर हुई है। पुलिस इस मामले में जांच कर रही है। सीओ हाईवे राजेश कुमार का कहना है कि फायरिंग की सूचना तो मिली है लेकिन तहरीर नहीं आई है।

सपा के गढ़ पर जयंत चौधरी की नजर, ठाकुरद्वारा से तैयार करेंगे सियासी जमीन, रैली को करेंगे संबोधित

मुरादाबाद जिले के ठाकुरद्वारा में राष्ट्रीय लोकदल की रैली को केंद्रीय राज्यमंत्री जयंत चौधरी संबोधित करेंगे। रैली की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। राजनीतिक तौर पर भी यह रैली महत्वपूर्ण मानी जा रही है। ठाकुरद्वारा में राष्ट्रीय लोकदल की रैली बृहस्पतिवार को सनातन धर्म हिंदू इंटर कॉलेज के मैदान में होगी। रैली के लिए मैदान में वाटरप्रूफ पंडाल बनाया गया है। रैली को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्र सरकार में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी संबोधित करेंगे।रालोद के पदाधिकारी रैली को सफल बनाने में जुटे हैं। जारी कार्यक्रम के मुताबिक रालोद प्रमुख जयंत चौधरी दिल्ली से कार से दोपहर 3:30 बजे ठाकुरद्वारा पहुंचेंगे। जहां वह रालोद की रैली को संबोधित करेंगे। शाम पांच बजे वह दिल्ली के लिए रवाना होंगे।जयंत चौधरी पूर्व विधायक विजय यादव के आवास पर भी जा सकते हैं। रैली को सफल बनाने के लिए जिले के प्रभारी मंत्री अनिल कुमार ने पूर्व विधायक विजय यादव के साथ दिन रात एक कर दिया है। कार्यकर्ताओं के साथ गांव-गांव घूम कर रैली को सफल बनाने की अपील की है।2007 में रालोद ने ठाकुरद्वारा विधानसभा सीट से हाजी मुख्तार सैफी को अपना उम्मीदवार बनाया था। तब बसपा उम्मीदवार विजय यादव चुनाव जीतकर विधायक बने थे। भाजपा के टिकट के दावेदारों में आपसी खींचतान के कारण रालोद की ठाकुरद्वारा सीट पर नजर है। इस सीट पर रालोद से विजय यादव मजबूत दावेदार माने जा रहे हैं। भाजपा और सपा का गढ़ रहा है ठाकुरद्वारा- ठाकुरद्वारा विधानसभा क्षेत्र भाजपा और सपा का गढ़ माना जाता है। 1991 से 2012 तक पांच बार भाजपा का कब्जा रहा। जबकि 2014 से 2022 तक तीन बार सपा इस विधानसभा क्षेत्र में अपना झंडा बुलंद कर चुकी है। एनडीए गठबंधन में शामिल रालोद का रैली के जरिए क्षेत्र में अपनी पार्टी को मजबूत करने का यह प्रयास माना जा रहा है। काशीपुर से आने वाले बड़े वाहनों पर रहेगी रोक- रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष की रैली के चलते पुलिस प्रशासन ने रूट डायवर्जन किया है। रैली स्थल के आसपास से चलने वाली प्राइवेट बसों और अन्य बड़े वाहनों पर वहां से गुजरने पर प्रतिबंध रहेगा। उत्तराखंड काशीपुर से आने वाले बड़े वाहनों को रोक रहेगी। सिर्फ छोटे वाहन आ सकेंगे। जबकि स्योहारा, सुरजननगर, जसपुर से आने वाले बड़े वाहनों को दारापुर, मदारपुर व रतूपुरा से निकाला जाएगा। रैली में आने वाले पार्टी कार्यकर्ताओं और जनता के लिए मंडी के पास, रतूपुरा चौराहे पर गौरव चौहान की जगह में, मुरादाबाद की ओर से आने वाले कार्यकर्ताओं और जनता के लिए बंद पड़े स्लॉटर हाउस के पास पार्किंग स्थल बनाए गए हैं। क्राइम इंस्पेक्टर मनोज कुमार ने बताया कि रैली स्थल पर आने वाले रास्तों पर भी बैरिकेडिंग होगी। रैली शुरू होने पर पूर्व विधायक के आवास तक जाने वाले रास्तों को पूरी तरह बंद रखा जाएगा।

मुरादाबाद-बिजनौर बने सारस की पसंदीदा पनाहगाह, अमरोहा में चार साल से नहीं दिखा जोड़ा

मंडल में राज्य पक्षी सारस की सबसे अधिक संख्या बिजनौर और मुरादाबाद में है। अमरोहा में पिछले चार वर्षों से एक भी सारस जोड़ा नहीं देखा गया है। वन विभाग 15 और 16 जून को विशेष गणना अभियान चलाएगा।उम्र भर जोड़े में रहने वाले राज्य पक्षी सारस को मंडल के मुरादाबाद और बिजनौर जिले खूब भा रहे हैं। मुरादाबाद में सारस की संख्या करीब 50 तो बिजनौर में यहां से तीन गुना यानी 150 है। रामपुर, संभल व अमरोहा में इस पक्षी का बसेरा कम है। वन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक अमरोहा में तो पिछले चार साल से सारस का एक भी जोड़ा नहीं देखा गया है।संभल में 10 से 14 और रामपुर में छह से आठ सारस होने की संभावना है। पुराने आंकड़े भी यहीं बयां कर रहे हैं। इस वर्ष मंडल के जिलों में 15 और 16 जून को सारस की गणना होगी। वन विभाग के मुताबिक गणना के लिए एक ही समय पर अलग-अलग टीमें सारस के अलग-अलग ठिकानों पर जाकर फोटोग्राफी करती हैं।एक ही समय पर सभी स्थानों के फोटो शूट होने के बाद जीपीएस टैगिंग के साख उनकी गिनती की जाती है। हालांकि अमरोहा में सारस के न मिलने पर सवाल भी खड़े हो रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि सारस मुख्य रूप से नमी वाली जगह (वेटलैंड), दलदली इलाकों, तालाबों, झीलों के पास रहना पसंद करते हैं।उन्हें अपना घोंसला बनाने और शिकार से बचने के लिए पानी से घिरे सुरक्षित और शांत प्राकृतवास की आवश्यकता होती है। मुरादाबाद मंडल के सभी जिलों में इस तरह के स्थान मिल जाते हैं। विभाग इस बार अमरोहा में अधिक फोकस के साथ सारस की खोज करेगा। विशेषज्ञ बताते हैं कि दुनिया का उड़ने वाले पक्षियों में सारस सबसे लंबा होता है। पिछले कुछ वर्षों में सभी स्थानों पर सारस की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। उम्मीद है कि इस बार और अच्छे आंकड़े मिलेंगे। अमरोहा में विशेष ध्यान रहेगा। वहां ऐसे स्थानों की खोज की जाएगी, जहां सारस निवास कर सकें। - आदर्श कुमार, मंडलीय वन संरक्षक

दिल्ली की तरह कभी भी अंगार बन सकते हैं शहर के होटल ! बिना फायर NOC 30 चलते मिले

दिल्ली के मालवीय नगर स्थित होटल के बेसमेंट में आग लगने से 21 लोगों की मौत के बाद जिले में अग्निशमन विभाग हरकत में आया। जिलाधिकारी के निर्देश पर अग्निशमन विभाग की टीम ने कई बड़े होटलों में पहुंचकर अग्निशमन उपायों को चेक किया। जिसमें 30 बड़े होटल बिना अग्निशमन सुरक्षा प्रमाणपत्र (फायर एनओसी) के संचालित पाए गए।दिल्ली के मालवीय नगर स्थित होटल के बेसमेंट में आग लगने से 21 लोगों की मौत के बाद जिले में अग्निशमन विभाग हरकत में आया। जिलाधिकारी के निर्देश पर अग्निशमन विभाग की टीम ने कई बड़े होटलों में पहुंचकर अग्निशमन उपायों को चेक किया। जिसमें 30 बड़े होटल बिना अग्निशमन सुरक्षा प्रमाणपत्र (फायर एनओसी) के संचालित पाए गए। दिल्ली हादसे के बाद टूटी नींद- जिले में कई बड़े होटल व प्रतिष्ठान बिना अग्निशमन सुरक्षा उपाय के संचालित हो रहे हैं। लेकिन अग्निशमन विभाग की ओर से सख्ती न होने से आए दिन अग्नि हादसे भी होते रहते हैं। दिल्ली के मालवीय नगर में हुए होटल के बेसमेंट में हुए अग्नि हादसे में 21 लोगों की मौत के बाद यहां भी सिस्टम की नींद खुली। आनन फानन में होटलों में पहुंच आग लगने पर बचाव के उपायों की जांच की गई। जिसमें 30 बड़े होटल मानकों पर खरे नहीं उतरे। अग्निशमन अधिकारी ज्ञान प्रकाश शर्मा ने बताया कि कई होटलों की जांच में फायर एनओसी नहीं मिली है। उन्हें पहले भी नोटिस दिया गया था।जानिए क्या बोले सीएफओ- वहीं मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि दिल्ली के मालवीय नगर स्थित होटल में हुए अग्नि हादसे के बाद जिले में होटलों की जांच कर अग्निसुरक्षा उपायों का निरीक्षण किया जा रहा है। जिन होटलों में फायर एनओसी नहीं मिली है, उन्हें नोटिस जारी कर जवाब लेने के बाद कार्रवाई भी होगी। लापरवाही करने वालों पर सख्ती होगी। किसी के जान से खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। विभाग स्वीकार कर रहा -कई होटल मानकों पर खरे नहीं- अग्निशमन विभाग के अधिकारियों की मानें तो कई होटल निर्धारित मानकों पर खरे नहीं हैं। कुछ होटल अत्यधिक पुराने हैं और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में स्थित हैं। ऐसे भवनों को फायर सुरक्षा मानकों के अनुरूप बनाना संभव नहीं है, इसलिए उन्हें एनओसी जारी नहीं की जा सकती। विभाग के अनुसार ऐसे मामलों में भवनों का ध्वस्तीकरण ही एकमात्र विकल्प है। हालांकि अब तक इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। ऐसे में इन होटलों में ठहरने वाले लोगों की जान पर खतरा मंडराता रहता है। इन प्रमुख होटलों की हुई जांच- = होटल चावला = न्यू गैलेक्सी होटल = होटल राधिका = होटल हिमालय बुध बाजार = हाजी जी गेस्ट हाउस रेलवे स्टेशन रोड = द रेस्टोरेंट रामपुर रोड = बालाजी गेस्ट हाउस = न्यू जनता होटल, रेलवे स्टेशन रोड = होटल मल्लिका, रेलवे स्टेशन रोड = होटल मिटाउन प्राइम कांठ रोड = होटल अरोमा इन दिल्ली रोड = रॉयल गेस्ट हाउस भीकनपुर कांठ रोड = होटल मिलन पैलेस, दिल्ली रोड = प्रेम चुनरिया होटल बुध बाजार = प्रतीक्षा होटल, जीएमडी रोड

अगले माह खत्म होगा जिला व क्षेत्र पंचायतों का कार्यकाल, ग्राम पंचायतों की तर्ज पर प्रशासक बनाने की मांग

जिला पंचायत का कार्यकाल 11 जुलाई और आठ क्षेत्र पंचायतों (ब्लॉकों) का कार्यकाल 19 जुलाई को समाप्त हो रहा है। इस बीच ब्लॉक प्रमुखों ने मांग उठाई है कि ग्राम पंचायतों की तरह कार्यकाल समाप्त होने के बाद उन्हें भी प्रशासक नियुक्त किया जाए।त्रिस्तरीय पंचायत राज व्यवस्था में अब जिला पंचायत और क्षेत्र पंचायत की बारी है। इनका चुनाव भी समय से होना संभव नहीं लग रहा है। मुरादाबाद जिला पंचायत का कार्यकाल 11 जुलाई और क्षेत्र पंचायतों का कार्यकाल 19 जुलाई को समाप्त होने जा रहा है।ग्राम पंचायतों की तर्ज पर ही अब ब्लाक प्रमुखों ने भी कार्यकाल खत्म होने के बाद खुद को प्रशासक बनाए जाने की मांग उठानी शुरू कर दी है। मुरादाबाद जिले में 39 वार्डों वाली जिला पंचायत का कार्यकाल 11 जुलाई को खत्म होगा, क्योंकि जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ.शैफाली चौहान ने 12 जुलाई 2021 को शपथ ग्रहण की थी। इसके साथ ही 22 महिलाओं के साथ 39 सदस्यों ने भी शपथ ली थी। इसके बाद जिले की आठ क्षेत्र पंचायतों के ब्लाक प्रमुखों की शपथ 20 जुलाई को हुई थी, इसलिए मुरादाबाद, बिलारी, भगतपुर टांडा, डिलारी, कुंदरकी, ठाकुरद्वारा, कांठ व छजलैट ब्लाक प्रमुखों का कार्यकाल 19 जुलाई को खत्म हो जाएगा। बिलारी के ब्लाक प्रमुख राज पाल सिंह ने बताया कि जब प्रदेश शासन ने ग्राम पंचायतों का कार्यकाल खत्म होने पर निवर्तमान प्रधानों को ही प्रशासक बना दिया तो फिर ब्लाक प्रमुखों को भी कार्यकाल खत्म होने के बाद प्रशासक की जिम्मेदारी देनी चाहिए। उन्होंने यह मांग उन्होंने शासन स्तर पर भी उठाई है। सरकार का रुख भी सकारात्मक है, इसलिए उम्मीद है कि ग्राम पंचायतों वाली व्यवस्था को क्षेत्र पंचायतों में लागू किया जाएगा। मूढ़ापांडे के ब्लाक प्रमुख नवदीप यादव ने बताया कि त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था तो एक दूसरे से जुड़ी हुई है, जब ग्राम पंचायतों में प्रशासक नियुक्त किए गए तो यही व्यवस्था क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत में भी लागू होनी चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

गर्मी में लोग हलकान, उमस ने किया परेशान, नौतपा खत्म होने के बाद भी गर्मी का सितम जारी

बुधवार सुबह से आसमान से आग बरसा रहा सूरज, 37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा अधिकतम तापमान नौतपा खत्म होने के बाद भी गर्मी का सितम थम नहीं रहा है। बुधवार को अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस रहा। सुबह से आसमान से सूरज आग बरसा रहा है। शाम को आसमान में बादल उमड़ने घुमड़ने से उमस बढ़ गई और लोग पसीना-पसीना होते रहे।नौतपा खत्म होने के बाद भी गर्मी का सितम थम नहीं रहा है। बुधवार को अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस रहा। सुबह से आसमान से सूरज आग बरसा रहा है। शाम को आसमान में बादल उमड़ने घुमड़ने से उमस बढ़ गई और लोग पसीना-पसीना होते रहे।पश्चिमी विक्षोभ से मिली राहत- नौतपा शुरू होने के बाद 25 मई से पारे में उछाल आ गया था और अधिकतम तापमान 39 और 40 डिग्री से उछलकर 42 और 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। लेकिन, 28 मई से 31 मई तक आंधी, बारिश से तापमान में गिरावट आ गई जिससे लोगों को भीषण गर्मी से काफी राहत मिली। मौसम वैज्ञानिक डॉ. श्वेता सिंह बताती हैं कि यदि 28 मई से पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय नहीं होता तो अधिकतम तापमान 44 से 45 डिग्री तक पहुंचने का अनुमान था। वनो का कटान बढ़ा रहा पारा- डॉ. बेबी तबस्सुम बताती हैं कि वनों के कटान के कारण मौसम में बदलाव आ रहा है। गर्मी और सर्दी बढ़ गई है जबकि, मानसून कमजोर पड़ने लगा है। बुधवार को सुबह से सूरज निकला लेकिन, शाम को आसमान में बादल उमड़ते घुमड़ते रहे लेकिन वर्षा नहीं हुई। हालांकि उमस बढ़ गई जिसके कारण लोग पसीना-पसीना होते रहे। कृषि विश्वविद्यालय मेरठ के मौसम वैज्ञानिक पर्यावरणविद् डॉ. उदय प्रताप शाही ने बताया कि आसमान में बादल छाए रहने का अनुमान है। अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। हाल-ए-मौसम- अधिकतम तापमान- 37 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान- 28 डिग्री सेल्सियस आर्द्रता- 37 प्रतिशत वायु वेग- 8 किमी.प्रति घंटा

वन विभाग बैकफुट पर, तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरे में बांधी बकरी

रामपुर। मसवासी क्षेत्र के गांव मानपुर उत्तरी में तेंदुए को पकड़ने के लिए अपनाई गई रणनीति को लेकर लगातार हो रही किरकिरी के बाद वन विभाग बैकफुट पर आ गया है। पहले तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरे में कुत्ता बांधने का वीडियो वायरल हुआ था। पशु प्रेमियों और लोगों की नाराजगी के बाद वन विभाग ने कुत्ते को हटाकर पिंजरे में मुर्गी रख दी। अब विभाग ने तेंदुए को लुभाने के लिए पिंजरे में बकरी बांध दी है।क्षेत्र में लगातार तेंदुए की मौजूदगी से ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। सप्ताहभर पूर्व तेंदुए ने मानपुर निवासी किसान सरदार दर्शन सिंह और सरदार कर्मजीत सिंह के दो गोवंशीय पशुओं को अपना शिकार बनाया था, जिसके बाद ग्रामीणों ने वन विभाग से जल्द कार्रवाई की मांग की थी।तेंदुए को पकड़ने के लिए वन विभाग ने गांव में पिंजरा लगाया, लेकिन जीवित कुत्ते को चारे के रूप में इस्तेमाल किए जाने पर विवाद खड़ा हो गया। कुत्ते को पिंजरे में बांधने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पशु संरक्षण से जुड़े लोगों ने कड़ी आपत्ति जताई थी।बढ़ती आलोचना के बीच वन विभाग ने कुत्ते को हटाकर मुर्गी रख दी, जिससे विभाग की रणनीति फिर चर्चा का विषय बन गई। लगातार किरकिरी होने पर वन विभाग ने अब पिंजरे में बकरी बांधी है। ग्रामीणों का कहना है कि तेंदुए का खतरा लगातार बना हुआ है और वन विभाग को जल्द से जल्द उसे पकड़ने के प्रभावी इंतजाम करने चाहिए।तेंदुए को सुरक्षित तरीके से पकड़ने के प्रयास जारी हैं और पिंजरे की नियमित निगरानी की जा रही है। जल्द ही तेंदुए को सुरक्षित पकड़ लिया जाएगा। -रमाकांत सक्सेना, वन क्षेत्राधिकारी

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

हर घर नल से जल पहुंचाने की मुहिम तेज, लापरवाह ठेकेदारों को नोटिस के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा कटारे / शिवपुरी। जिले में जल जीवन मिशन के तहत संचालित समूह जल प्रदाय योजनाओं को समयसीमा में पूरा करने के लिए कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा ने सख्त निर्देश दिए हैं। कलेक्ट्रेट में आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने स्पष्ट कहा कि हर घर तक नल से स्वच्छ पेयजल पहुंचाना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निर्धारित समय में कार्य पूरा नहीं करने वाली फर्मों और ठेकेदारों को नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में जल निगम और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि जिले में चल रही मड़ीखेड़ा, बसई और महुअर समूह जल प्रदाय योजनाओं का कार्य तेजी से पूरा किया जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को शीघ्र पेयजल सुविधा का लाभ मिल सके। 1000 से अधिक गांवों को मिलेगा लाभ- जानकारी के अनुसार जल निगम की समूह जल प्रदाय योजनाओं के तहत जिले के 1000 से अधिक गांव लाभान्वित होंगे। वहीं मड़ीखेड़ा समूह जल प्रदाय योजना से जिले के सभी विकासखंडों के 752 गांवों तक नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। योजना के अंतर्गत बनाए जा रहे 6 मास्टर रिजर्वेयर का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। 1260 गांवों तक पहुंचाना है नल से जल- लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिले के 1260 गांवों में हर घर नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इनमें सहरिया जनजाति बाहुल्य गांव भी शामिल हैं, जहां पीएम जनमन योजना के तहत विशेष रूप से कार्य किया जा रहा है। प्रशासन देगा पूरा सहयोग- बैठक में कलेक्टर अर्पित वर्मा ने निर्माण एजेंसियों और प्रोजेक्ट मैनेजरों को भरोसा दिलाया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में यदि किसी प्रकार की प्रशासनिक या स्थानीय समस्या आती है तो जिला प्रशासन पूरा सहयोग करेगा। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन की परियोजनाएं जिले के विकास और ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं, जिन्हें समय पर पूरा करना सभी की जिम्मेदारी है।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण में आरबी-11 और माधव चीता ने अगले दौर में बनाई जगह

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा कटारे / शिवपुरी। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर के अंतर्गत तात्या टोपे स्टेडियम स्थित शिवपुरी क्रिकेट अकादमी में आयोजित 7-ए-साइड क्रिकेट प्रतियोगिता के रोमांचक मुकाबलों में आरबी-11 और माधव चीता की टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अगले दौर में प्रवेश कर लिया। प्रतियोगिता के पहले मुकाबले में आरबी-11 का सामना चंबल टाइगर से हुआ। पहले बल्लेबाजी करते हुए आरबी-11 ने अथर्व के शानदार 21 रनों और अतिरिक्त रनों की मदद से निर्धारित 6 ओवर में 86 रन बनाए। चंबल टाइगर की ओर से लक्ष्य राठी ने 3 विकेट हासिल किए। 87 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी चंबल टाइगर टीम की ओर से लक्ष्य राठी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 33 रन बनाए, लेकिन अन्य बल्लेबाजों का सहयोग नहीं मिलने से पूरी टीम 71 रन पर सिमट गई। आरबी-11 ने मुकाबला जीतकर अगले दौर में जगह बना ली। दिन का दूसरा मुकाबला व्हाइट टाइगर और माधव चीता के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए माधव चीता ने तेजस मलिक के विस्फोटक 43 और राघव के 12 रनों की बदौलत 6 ओवर में 94 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। व्हाइट टाइगर की ओर से आयुष ने एक विकेट लिया। 95 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी व्हाइट टाइगर की टीम माधव चीता के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और 43 रन पर ऑलआउट हो गई। माधव चीता की ओर से हर्ष ने 3 विकेट झटके, जबकि तेजस मलिक ने ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए 43 रन बनाने के साथ 3 विकेट भी हासिल किए। उनके शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें %मैन ऑफ द मैच% चुना गया।

आज के मुकाबलों में भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ क्रिकेटर हेमंत ओझा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। साथ ही सभी खिलाड़ियों के लिए पेयजल की व्यवस्था भी कराई। प्रतियोगिता के आयोजकों ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य युवा खिलाड़ियों को अधिक से अधिक मैच अनुभव प्रदान करना और उनकी प्रतिभा को निखारना है। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का उत्साह देखने लायक रहा।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

वृद्धा एवं विधवा पेंशनधारकों के लिए सुनहरा मौका, मझगवां में आज लगेगा विशेष समाधान शिविर

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार आमजन की शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण करने के उद्देश्य से आज शुक्रवार 5 जून को विकासखंड मझगवां परिसर में वृद्धा पेंशन एवं विधवा पेंशन विशेष कैंप का आयोजन किया जाएगा। शिविर का समय प्रात: 10ः30 बजे से सायं 4ः30 बजे तक निर्धारित किया गया है। सभी लाभार्थियों से अपील की गई है कि पेंशन संबंधी समस्याओं के समाधान हेतु अपने आधार कार्ड, बैंक पासबुक/खाता विवरण एवं रजिस्ट्रेशन संख्या के साथ कैंप में उपस्थित हों। शिविर में जिला समाज कल्याण अधिकारी बरेली, जिला प्रोबेशन अधिकारी, खंड विकास अधिकारी मझगवां सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहेंगे, जो पात्र लाभार्थियों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण करेंगे।

"एक पेड़ माँ के नाम" विश्व पर्यावरण दिवस पर बरेली में 7.80 लाख पौधों का महाअभियान

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा /बरेली। विश्व पर्यावरण दिवस आज 5 जून के अवसर पर जनपद बरेली में "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत 7 लाख 80 हजार पौधों का वृहद वृक्षारोपण किया जाएगा। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने सभी विभागों को निर्धारित लक्ष्य समयबद्ध ढंग से पूरा करने तथा पौधों के संरक्षण की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। अभियान के अंतर्गत ग्राम्य विकास, कृषि, उद्यान, पंचायती राज, वन विभाग, नगर निगम एवं नगर निकायों द्वारा बड़े स्तर पर पौधरोपण किया जाएगा। अमृत सरोवर, तालाब, सड़क किनारे, विद्यालय परिसर, पंचायत भवन और अन्य सार्वजनिक स्थलों को प्राथमिकता दी जाएगी। जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों, स्वयं सहायता समूहों, सामाजिक संगठनों एवं आम नागरिकों से अधिक से अधिक भागीदारी की अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति कम से कम एक पौधा लगाकर उसके संरक्षण का संकल्प लें।

बरेली के होटलों में अग्निशमन विभाग की बड़ी जांच , सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया गया जायजा

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। महा निदेशक अग्निशमन एवं आपात सेवा के निर्देशन पर मुख्य अग्निशमन अधिकारी मनु शर्मा के नेतृत्व में अग्निशमन विभाग की टीम ने गुरुवार को शहर के प्रमुख होटलों में व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया। इस दौरान स्टेशन रोड स्थित स्वर्ण टावर, डी ग्रैंड, श्री भास्कर, ईस्ट लाइट, मंदाकिनी, मायनर एवं पंचम होटल सहित कई प्रतिष्ठानों की अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान होटलों में स्थापित अग्निशमन उपकरणों को स्टाफ से संचालित कराकर उनकी कार्यशीलता परखी गई। सभी प्रमुख अग्निशमन उपकरण संतोषजनक स्थिति में पाए गए। साथ ही होटल कर्मचारियों को आग लगने की स्थिति में बचाव एवं नियंत्रण के उपायों की जानकारी देते हुए मॉक ड्रिल भी कराई गई। मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने होटल प्रबंधकों को निर्देशित किया कि सभी निकास द्वार हर समय अवरोध मुक्त रखें तथा अग्निशमन उपकरणों की नियमित टेस्टिंग कराकर उन्हें हमेशा कार्यशील स्थिति में बनाए रखें, ताकि किसी भी आपात स्थिति में जनहानि व दुर्घटना से बचा जा सके।

95 लाख के 462 मोबाइल बरामद: बरेली पुलिस ने लौटाई लोगों की खोई खुशियां

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। गुम हुआ मोबाइल वापस मिलने की उम्मीद अक्सर लोगों के लिए खत्म हो जाती है, लेकिन बरेली पुलिस ने अपनी तकनीकी दक्षता और प्रभावी कार्रवाई से एक बार फिर लोगों का भरोसा मजबूत किया है। मई माह में चलाए गए विशेष अभियान के तहत पुलिस ने 462 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को सौंप दिए। बरामद मोबाइलों की अनुमानित कीमत लगभग 95 लाख रुपये बताई गई है। रिजर्व पुलिस लाइन्स स्थित रविन्द्रालय में आयोजित कार्यक्रम में एसपी साउथ अंशिका वर्मा ने मोबाइल फोन उनके मालिकों को सुपुर्द किए। अपना खोया हुआ मोबाइल वापस पाकर लोगों के चेहरे खिल उठे और उन्होंने बरेली पुलिस की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य के निर्देशन में सर्विलांस सेल, साइबर टीम और कंप्यूटर ऑपरेटरों ने संयुक्त रूप से अभियान चलाया। भारत सरकार के सीईआईआर (CEIR) पोर्टल तथा आधुनिक तकनीकी संसाधनों की मदद से गुम हुए मोबाइलों को ट्रैक कर बरामद किया गया। लगातार निगरानी, डेटा विश्लेषण और फील्ड कार्रवाई के चलते यह बड़ी सफलता हासिल हुई।

बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीमों का हुआ सम्मान- मोबाइल रिकवरी अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाली विभिन्न थाना क्षेत्रों की साइबर टीमों को सम्मानित किया गया। एसएसपी अनुराग आर्य ने टीम के पुलिसकर्मियों को नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया। बरेली पुलिस के आंकड़ों के अनुसार जनवरी 2025 से मई 2026 तक कुल 5259 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद किए जा चुके हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 10.5 करोड़ रुपये है।

अपराध जांच को मिलेगी नई रफ्तार

डीएम ने किया हाईटेक फॉरेंसिक लैब का निरीक्षण, जल्द हैंडओवर के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। अपराधों की वैज्ञानिक जांच को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने गुरुवार को ग्राम खलीलपुर, रामपुर रोड क्रॉसिंग स्थित नवनिर्मित फॉरेंसिक साइंस लैब (विधि विज्ञान प्रयोगशाला) भवन का निरीक्षण किया और सुरक्षा सहित सभी व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने भवन की गुणवत्ता, संरचनात्मक मजबूती, सुरक्षा मानकों तथा विभिन्न प्रयोगशाला कक्षों का अवलोकन किया। उन्होंने निर्माण कार्य की अवधि, उपलब्ध सुविधाओं और तकनीकी व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी अधिकारियों से प्राप्त की।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि नवीन फॉरेंसिक साइंस लैब भवन का शीघ्र हैंडओवर सुनिश्चित किया जाए, ताकि अपराधों की जांच में आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों का प्रभावी उपयोग शुरू हो सके। उन्होंने कहा कि यह प्रयोगशाला जांच प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और समयबद्ध बनाएगी तथा अपराधों के त्वरित खुलासे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। हैंडओवर प्रक्रिया के संबंध में अधिकारियों ने बताया कि निदेशालय को पत्र भेजा जा चुका है और अनुमति प्राप्त होते ही समिति गठित कर आवश्यक कार्यवाही पूरी कर ली जाएगी। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने विद्युत व्यवस्था, जलापूर्ति, अग्नि सुरक्षा प्रणाली, अभिलेख संरक्षण व्यवस्था समेत अन्य आवश्यक सुविधाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि संचालन शुरू होने से पहले सभी व्यवस्थाओं का परीक्षण कर लिया जाए तथा किसी भी कमी को तत्काल दूर किया जाए। इस अवसर पर राजकीय निर्माण निगम के अधिकारी, संबंधित विभागों के अधिकारी, तकनीकी विशेषज्ञ एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पेड़ लगाओ, पर्यावरण बचाओ: कांग्रेस ने दिया संरक्षण का संदेश

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा /बरेली। विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर महानगर कांग्रेस कमेटी ने महानगर अध्यक्ष दिनेश दादा के नेतृत्व में महर्षि वाल्मीकि मंदिर परिसर स्थित पिछड़ा वर्ग धर्म कांटा में गोष्ठी एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता पंडित राज शर्मा ने किया।

गोष्ठी को संबोधित करते हुए दिनेश दादा ने कहा कि वृक्षारोपण प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही नहीं, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने औपचारिक वृक्षारोपण कार्यक्रमों पर चिंता जताते हुए कहा कि पौधों को जीवित रखना ही असली पर्यावरण सेवा है।

पूर्व विधायक मास्टर छोटेलाल गंगवार ने कहा कि वृक्ष मानव जीवन के लिए अमूल्य हैं और प्रत्येक व्यक्ति को पौधे लगाने के साथ उनकी सेवा का भी संकल्प लेना चाहिए। वहीं वरिष्ठ उपाध्यक्ष देवेंद्र प्रकाश श्रीवास्तव ने जन्मदिन जैसे विशेष अवसरों पर एक पौधा लगाने की अपील की।कार्यक्रम के अंत में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर पंडित राज शर्मा, पूनमदीप सिंह एडवोकेट, रमेश श्रीवास्तव, प्रवीण मिश्रा, डॉ. हरीश गंगवार, पंकज उपाध्याय, मोहम्मद कासिम, जीशान अफरीदी सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ई-मालखाना से स्मार्ट पुलिसिंग की नई उड़ान, बरेली पुलिस ने रचा डिजिटल इतिहास

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। डिजिटल इंडिया और स्मार्ट पुलिसिंग की दिशा में बरेली पुलिस ने एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए थाना शाही एवं थाना सिरौली में ई-मालखाना प्रणाली का शुभारंभ कर दिया है। इसके साथ ही मीरगंज सर्किल के सभी तीनों थानों में ई-मालखाना व्यवस्था पूरी तरह संचालित हो गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में पुलिस कार्यप्रणाली को आधुनिक, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने के उद्देश्य से यह अभिनव पहल की गई है। अपराधियों से बरामद संपत्तियों, लावारिस वस्तुओं, जब्त वाहनों एवं अन्य माल के सुरक्षित और सुव्यवस्थित प्रबंधन के लिए ई-मालखाना सॉफ्टवेयर लागू किया गया है। गुरुवार को पुलिस अधीक्षक दक्षिणी अंशिका वर्मा तथा क्षेत्राधिकारी मीरगंज की उपस्थिति में थाना शाही में ई-मालखाना प्रणाली का लोकार्पण किया गया, जबकि थाना सिरौली में इसका वर्चुअल शुभारंभ किया गया।

नई प्रणाली के तहत मालखाने में रखे गए समस्त लंबित माल का डिजिटलीकरण कर दिया गया है। अब जब्त संपत्तियों का रिकॉर्ड, निगरानी, रखरखाव और न्यायालय में प्रस्तुतिकरण पहले से अधिक आसान और प्रभावी होगा। क्यूआर कोड आधारित पहचान, रियल-टाइम अपडेट, सुरक्षित डेटाबेस और सिंगल क्लिक एक्सेस जैसी सुविधाएं इस प्रणाली को अत्याधुनिक बनाती हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार ई-मालखाना प्रणाली से पारदर्शिता, जवाबदेही और कार्यकुशलता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। साथ ही न्यायालयीय प्रक्रियाओं को गति मिलेगी तथा जब्त संपत्तियों के रखरखाव एवं निस्तारण में भी आसानी होगी। इस परियोजना को सफलतापूर्वक संचालित करने में थाना शाही के थानाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह, व0उ0नि0 सतीश कुमार, हेड मोहर्रिर मो. बहादुरशाह जफर तथा थाना सिरौली के थानाध्यक्ष विनोद सिंह, हेड मोहर्रिर महेश और कांस्टेबल शमशाद अहमद की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

न्यायालय उद्घोषणा (हाजिरी हेतु)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि धारा 138 एन.आई. एक्ट के मामले मु0 सं0 (परिवाद) - 21/24/2024 में आरोपी धीरज सिंह पुत्र फूल सिंह निवासी ग्राम सिहारी दाऊदपुर थाना जालौन जिला जालौन जानबूझकर न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं हो रहे हैं और फरार हैं।

अत: इस उद्घोषणा के माध्यम से आरोपी को निर्देशित किया जाता है कि वे दिनांक 15 जून 2026 को संबंधित सक्षम न्यायालय, जालौन में अपना पक्ष रखने हेतु उपस्थित हों। निर्धारित तिथि पर उपस्थित न होने पर उनके विरुद्ध विधि अनुसार सख्त कानूनी कार्रवाई (कुर्की आदि) की जाएगी।

उद्घोषणा तिथि: 1 जून 2026

आदेशानुसार:
न्यायिक मजिस्ट्रेट जालौन,
जनपद जालौन।

जिला सैनिक कल्याण विभाग की योजनाओं से लाभान्वित हो रहे पूर्व सैनिक एवं उनके आश्रित

क्यूँ न लिखूँ सच/ जनपद बदायूँ जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी बदायूं लेफ्टिनेंट कर्नल सदीप सिंह (अ0प्रा0) ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में मुख्यालय एवं शासन द्वारा संचालित विभिन्न लाभार्थीपरक योजनाओं के अंतर्गत जनपद के पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों को लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि केन्द्रीय सैनिक बोर्ड की पुत्री विवाह अनुदान योजना के अंतर्गत 05 आवेदन ऑनलाइन प्राप्त हुए, जिनमें से एक पात्र लाभार्थी को 50 हजार रुपये की अनुदान राशि का भुगतान किया जा चुका है। जबकि दो अन्य पात्र आवेदनों का सत्यापन कर उन्हें केन्द्रीय सैनिक बोर्ड, नई दिल्ली को अग्रसारित किया गया है तथा उनकी स्वीकृति भी प्राप्त हो चुकी है। शिक्षा अनुदान योजना के अंतर्गत 98 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 93 आवेदनों का सत्यापन कर केन्द्रीय सैनिक बोर्ड को भेजा गया है तथा उन्हें स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत प्राप्त 06 आवेदनों में से 03 लाभार्थियों को केन्द्रीय सैनिक बोर्ड, नई दिल्ली से स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। इसके अतिरिक्त राज्य सैनिक पुनर्वास निधि से संचालित छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत प्राप्त दो आवेदनों का सत्यापन कर उन्हें राज्य सैनिक पुनर्वास निधि, लखनऊ को प्रेषित किया गया है। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ने कहा कि पूर्व सैनिकों, वीर नारियों तथा उनके आश्रितों के कल्याण हेतु संचालित योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाते रहेंगे।

इंजीनियर की अनदेखी या मिलीभगत? बारिंगवा स्कूल भवन के निर्माण पर उठे गंभीर सवाल

क्यूँ न लिखूँ सच/ मानस मिश्रा/ निर्माण स्थल पर दिखीं कई खामियां, ग्रामीण बोले - तकनीकी निगरानी होती तो नहीं दिखती ऐसी स्थिति

चितरंगी (सिंगरौली)। ग्राम पंचायत बारिंगवा में लोक निर्माण विभाग (PWD) के माध्यम से निर्माणाधीन विद्यालय भवन की गुणवत्ता को लेकर अब सवाल सीधे विभागीय निगरानी व्यवस्था पर उठने लगे हैं। निर्माण स्थल से सामने आई तस्वीरों को देखकर ग्रामीण पूछ रहे हैं कि आखिर यह सब जिम्मेदार इंजीनियरों की अनदेखी का परिणाम है या फिर कहीं न कहीं मिलीभगत के कारण गुणवत्ता मानकों को नजरअंदाज किया जा रहा है? निर्माणाधीन भवन के कॉलम, प्लिंथ बीम और जंक्शन भागों में दिखाई दे रही कमियों को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। लोगों का कहना है कि यदि विभागीय इंजीनियर नियमित रूप से निर्माण कार्य का निरीक्षण कर रहे होते तो निर्माण के दौरान ही संभावित खामियों को दूर कराया जा सकता था। मामले में जब मौके पर कार्य कर रहे मिस्त्री से चर्चा की गई तो उन्होंने ठेकेदार मनीष द्विवेदी का मोबाइल नंबर उपलब्ध कराया। ठेकेदार से बातचीत के दौरान उनका कहना था कि मेरे द्वारा निर्माण कार्य पूरी तरह सही कराया गया है, आपको जो खबर चलानी हो चला दीजिए। हालांकि ठेकेदार के इस दावे के बावजूद ग्रामीण स्वतंत्र तकनीकी जांच की मांग पर अड़े हुए हैं। उनका कहना है कि यदि निर्माण पूरी तरह मानक अनुरूप है तो विभाग को जांच कराने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

ग्रामीणों का आरोप है कि सरकारी धन से बनने वाले भवनों में गुणवत्ता की जिम्मेदारी केवल ठेकेदार की नहीं बल्कि संबंधित उपयंत्री, सहायक यंत्री और निरीक्षण करने वाले अधिकारियों की भी होती है। ऐसे में यदि निर्माण कार्य पर सवाल उठ रहे हैं तो विभागीय निगरानी भी जांच के दायरे में आनी चाहिए। सबसे बड़ा सवाल- जब निर्माण कार्य जारी था तो जिम्मेदार इंजीनियरों ने क्या निरीक्षण किया? यदि किया तो तस्वीरों में दिखाई दे रही स्थिति पर तत्काल सुधार क्यों नहीं कराया गया? ग्रामीणों की मांग निर्माण कार्य की थर्ड पार्टी तकनीकी जांच। संबंधित इंजीनियरों की भूमिका की जांच। गुणवत्ता परीक्षण रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए। दोषी पाए जाने पर ठेकेदार एवं जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई हो।

पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत पात्र परिवारों को मिल रहा नि:शुल्क राशन, अधिक वसूली पर करें शिकायत

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के अंतर्गत जिले के पात्र प्राथमिक एवं अंत्योदय परिवारों को प्रतिमाह नि:शुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि गेहूं एवं फोर्टिफाइड चावल का वितरण पूरी तरह नि:शुल्क है और निर्धारित दर से अधिक राशि वसूलने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी खाद्य शाखा मोतीलाल अहिरवार ने बताया कि प्राथमिक परिवारों को प्रति सदस्य 4 किलोग्राम गेहूं और 1 किलोग्राम फोर्टिफाइड चावल के साथ प्रति परिवार 1 किलोग्राम नमक प्रदान किया जा रहा है। वहीं अंत्योदय परिवारों को प्रति परिवार 30 किलोग्राम गेहूं, 5 किलोग्राम फोर्टिफाइड चावल, 1 किलोग्राम नमक तथा 1 किलोग्राम शक्कर उपलब्ध कराई जा रही है।

उन्होंने बताया कि योजना के तहत गेहूं और चावल पूरी तरह नि:शुल्क दिए जा रहे हैं। नमक मात्र 1 रुपये प्रति किलोग्राम तथा अंत्योदय परिवारों को शक्कर 20 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से उपलब्ध कराई जा रही है।जिला प्रशासन ने हितग्राहियों से अपील की है कि यदि कोई उचित मूल्य दुकान संचालक निर्धारित मात्रा से कम राशन देता है या गेहूं एवं चावल के बदले अनुचित राशि की मांग करता है, तो इसकी तत्काल शिकायत संबंधित अधिकारियों को करें।

प्रशासन ने योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और पात्र परिवारों तक खाद्यान्न की पारदर्शी आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए निगरानी व्यवस्था भी सुदृढ़ की है। अधिकारियों का कहना है कि शिकायत मिलने पर तत्काल जांच कर दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें और किसी भी प्रकार की अनियमितता की जानकारी तुरंत प्रशासन को दें, ताकि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्र हितग्राहियों तक पूरी पारदर्शिता के साथ पहुंच सके।

प्रभारी मंत्री ने जन जागरूकता अभियान के सफल संचालन के संबंध में अधिकारियों के साथ की बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच/ केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जनपद सहित पूरे प्रदेश में समेकित जनकल्याण एवं जन जागरूकता अभियान 05 जून से 21 जून तक चलाया जाएगा। अभियान के सफल संचालन व क्रियान्वयन के संबंध में प्रदेश सरकार के स्तर से जनपद के प्रभारी मंत्री बनाए गए राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) वन विभाग अरुण कुमार सक्सेना ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जन प्रतिनिधियों व अधिकारियों के साथ बैठक कर अभियान को जन सहभागिता व माइक्रो प्लानिंग के साथ सफल बनाने के निर्देश दिए। कहा कि अभियान अंतर्गत केंद्र व प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं के प्रचार प्रसार के साथ-साथ पात्रों को योजनाओं से लाभान्वित भी किया जाए।

कलेक्ट्रेट स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में आहूत बैठक की अध्यक्षता करते जनपद के प्रभारी मंत्री व प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) वन एवं पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन अरुण कुमार सक्सेना ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजन को मुहैया कराया गया है। उन्होंने कहा कि समस्त कार्यक्रम सेवा, संस्कार, सुशासन एवं सम्मान के मूल भाव के अनुरूप संचालित किए जाएं। भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता ने कहा कि सभी ब्लॉकों में आयोजित होने वाले जन-जनकल्याण शिविर के आयोजन से पूर्व इसका प्रचार प्रसार किया जाए ताकि अधिक से अधिक लोग इन शिवरों का लाभ ले सकें। उन्होंने प्राकृतिक कृषि कार्यशाला के लिए आमंत्रित किए जा रहे किसानों की सूची भी उपलब्ध कराने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि अभियान को माइक्रो प्लानिंग बनाकर जन सहभागिता के साथ सफल बनाया जाए। बिल्सी विधायक हरीश शाक्य ने कहा कि चौपाल आयोजन के दौरान अधिकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार व पात्रों को उसका लाभ भी पहुंचाएं। जनता से बेहतर समन्वय व संवाद स्थापित करें। उन्होंने बताया कि जन जागरूकता अभियान के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में रात्रि चौपाल का आयोजन भी किया जाएगा तथा विकासखंड क्षेत्र में भी समस्त ग्राम पंचायत में विशेष साफ-सफाई अभियान भी चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि 21 जून 2026 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस जनपद, ग्राम आदि स्तरों पर मनाया जाएगा। साइकिल एवं पैदल जन जागरूकता यात्राएं भी आयोजित की जाएगी।

इस अवसर पर अध्यक्ष जिला सहकारी बैंक जे0के0 सक्सेना, मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला, जिला वन अधिकारी निधि चौहान, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अरुण कुमार, सहायक निदेशक सूचना आशुतोष चन्दोला सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

यूपी को एक और हाईस्पीड रेल की सौगात, लखनऊ-कानपुर नमो भारत कॉरिडोर की तैयारी तेज

लखनऊ-कानपुर के बीच शुरू होने वाली नमो भारत रेल सेवा के काम में तेजी आई है। शासन ने डीपीआर तैयार करने के लिए मंजूरी दे दी। एनसीआरटीसी को जिम्मेदारी दी गई है।यूपी में लखनऊ और कानपुर के बीच हाईस्पीड क्षेत्रीय रेल सेवा नमो भारत चलाने का काम का काम तेज हो गया है। प्रदेश सरकार ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना की अल्टरनेटिव्स एनालिसिस रिपोर्ट (एएआर) और डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कराने के लिए छह करोड़ रुपये का बजट पास है। रिपोर्ट तैयार करने की जिम्मेदारी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) नई दिल्ली को सौंपी गई है।एएआर और डीपीआर में नमो भारत रेल सेवा कॉरिडोर का प्रस्तावित रूट, संभावित स्टेशन, अनुमानित यात्री संख्या, निर्माण लागत, तकनीकी व्यवहार्यता और वित्तीय मॉडल का विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी। रिपोर्ट तैयार होने के बाद परियोजना को अंतिम स्वीकृति और निर्माण प्रक्रिया के लिए आगे बढ़ाया जाएगा।इसको लेकर प्रमुख सचिव आवास एवं शहरी नियोजन विभाग प्रमुख सचिव पी. गुरुप्रसाद ने एनसीआरटीसी को पत्र भी भेजा है। ताकि रेल सेवा का काम जल्द शुरू किया जा सके। पत्र में प्रमुख सचिव ने यह भी कहा है कि परियोजना पर आने वाला खर्च लखनऊ विकास प्राधिकरण, कानपुर विकास प्राधिकरण और उन्नाव-शुक्लागंज विकास प्राधिकरण संयुक्त रूप से वहन करेंगे।इस रेल सेवा के शुरू होने के बाद उन लोगों को बहुत राहत होगी जो लखनऊ और कानपुर के बीच रोजाना बड़ी संख्या में नौकरी, कारोबार, शिक्षा और अन्य कार्यों के लिए आवागमन करते हैं। नमो भारत कॉरिडोर शुरू होने पर यात्रियों को तेज, आरामदायक और समयबद्ध यात्रा की सुविधा मिलेगी। साथ ही उन्नाव समेत पूरे क्षेत्र में औद्योगिक, व्यावसायिक और आर्थिक गतिविधियों को भी नई रफ्तार मिलने की उम्मीद है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

थाना दातागंज पुलिस को मिली बड़ी सफलता

क्यूँ न लिखूँ सच/ जनपद बदायूं एसएसपी अंकिता शर्मा के निर्देशानुसार जनपद में चलाए जा रहे अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध गिरफ्तारी अभियान के अन्तर्गत थाना दातागंज पुलिस द्वारा संदिग्ध व्यक्ति/वाहन चैकिंग के दौरान 02 अभियुक्तगण 1.वकील पुत्र जमील निवासी ग्राम मैल्हा थाना दातागंज जिला बदायूं 2. मुनेन्द्रपाल पुत्र कृपाल पाल निवासी ग्राम मैल्हा थाना दातागंज जिला बदायूं को मय चोरी की हुई 04 मोटर साईकिल के साथ गिरफ्तार किया गया । जिसके संबन्ध में अभि0गण उपरोक्त के विरुद्ध थाना दातागंज पर मु0अ0सं0 195/26 धारा 318(4)/317(2)/317(5)/346 BNS पंजीकृत कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया ।

कमलेश की डेडबॉडी लेकर पहुंची पुलिस पर पथराव, तीन घायल; पत्नी बोली- एनकाउंटर नहीं हत्या की गई

गाजीपुर में एनकाउंटर में मारे गए कमलेश बिंद का शव लेकर जा रहे परिजनों ने फुल्लपुर रेलवे क्रॉसिंग पर प्रदर्शन शुरू कर दिया। शव हटाने पहुंची पुलिस से धक्का-मुक्की के बाद भीड़ ने पथराव कर दिया। अफरा-तफरी में पुलिसकर्मियों को जान बचाकर भागना पड़ा। क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ाई गई है।पुलिस मुठभेड़

में मारे गए कमलेश चौधरी का शव बृहस्पतिवार को गांव पहुंचते ही माहौल तनावपूर्ण हो गया। शव के गांव पहुंचने के बाद ग्रामीणों और पुलिस प्रशासन के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते स्थिति बिगड़ गई और कुछ लोगों ने पुलिस टीम पर पथराव कर दिया।

घटना में सीओ सिटी समेत तीन पुलिसकर्मियों के घायल होने की सूचना है।

वहीं, पत्नी और अन्य परिजनों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने कमलेश का एनकाउंटर नहीं किया है, उसकी हत्या की है।जानकारी के अनुसार, पोस्टमार्टम के बाद कमलेश चौधरी का शव परिजनों को सौंप दिया गया था। शव गांव पहुंचने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए।

इस दौरान शवयात्रा के मार्ग को लेकर ग्रामीणों और पुलिस के बीच मतभेद उत्पन्न हो गया। ग्रामीण शवयात्रा को शहर के मुख्य मार्गों से निकालना चाहते थे, जबकि पुलिस प्रशासन कानून-व्यवस्था बनाए रखने के मद्देनजर शव को सीधे श्मशान घाट ले जाने पर जोर दे रहा था।पुलिस के खिलाफ नाराजगी

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई।

कुछ ही देर में माहौल गर्म हो गया और विवाद ने उग्र रूप ले लिया। आरोप है कि भीड़ में शामिल कुछ लोगों ने पुलिस टीम पर पथराव शुरू कर दिया। अचानक हुए पथराव से मौके पर अफरा-तफरी मच गई और पुलिसकर्मियों को खुद को बचाने के लिए इधर-उधर हटना पड़ा। घटना में सीओ सिटी शेखर सेंगर, सिपाही हरकुश पटेल और कोतवाली में तैनात कमलेश कुमार घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार उनकी हालत खतरे से बाहर है। मौके पर मौजूद लोगों का कहना है कि भीड़ में महिलाओं और बच्चों की संख्या भी काफी अधिक थी, जिससे स्थिति को नियंत्रित करने में प्रशासन को अतिरिक्त सतर्कता बरतनी पड़ी। घटना के बाद क्षेत्र में पुलिस बल बढ़ा दिया गया है और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। पथराव में शामिल लोगों की पहचान कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। वहीं क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर 5 से 21 जून तक चलेगा जनकल्याण एवं जन-जागरूकता अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच/राजेंद्र विश्वकर्मा/ जिलाधिकारी ने समीक्षा कर विभागवार जिम्मेदारियां तय कीं, सभी कार्यक्रमों के प्रभावी आयोजन के दिए निर्देश केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 5 जून से 21 जून 2026 तक आयोजित होने वाले जनकल्याण एवं जन-जागरूकता अभियान को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में विकास भवन के रानी लक्ष्मीबाई सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की विभागवार समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने सभी विभागों को आकर्षक एवं जानकारीपरक प्रदर्शनी लगाने के निर्देश दिए। 18 एवं 19 जून को प्राकृतिक खेती कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी, जिनमें कृषि विभाग, उद्यान विभाग, पशुपालन विभाग एवं कृषि विज्ञान केंद्र की सहभागिता रहेगी। कार्यशालाओं में किसानों को प्राकृतिक खेती, जैविक खाद निर्माण, जैविक कीटनाशकों के उपयोग तथा जल संरक्षण की तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जनपद एवं ग्राम पंचायत स्तर पर भव्य योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आयुष विभाग को नोडल विभाग नामित करते हुए जिलाधिकारी ने शिक्षा विभाग, खेल विभाग, युवा कल्याण विभाग, एनसीसी तथा स्वयंसेवी संगठनों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि अभियान अवधि के दौरान रात्रि चौपाल एवं क्षेत्रीय भ्रमण कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में जनसमस्याओं की सुनवाई कर उनका त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक कार्यक्रम की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा उसकी दैनिक प्रगति रिपोर्ट, फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी समय से उपलब्ध कराई जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में यह अभियान जनभागीदारी, पारदर्शिता और प्रभावी समन्वय के साथ संचालित किया जाएगा, ताकि केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके तथा विकसित भारत के संकल्प को जनआंदोलन का स्वरूप दिया जा सके।इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राजीव राज, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे प्रेमचंद मौर्य, प्रभागीय वनाधिकारी प्रदीप यादव, नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार, परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, डीडीओ प्रशांत पाण्डेय, राम अयोध्या प्रसाद आदि सहित सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान से जुड़ें, पर्यावरण संरक्षण में निभाएं अपनी भागीदारी - जिलाधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच/पवन कुमार/ विश्व पर्यावरण दिवस पर जनपदवासियों से पौधरोपण करने और सेल्फी साझा करने की अपील, जनपद में 10 लाख पौधे रोपित करने का लक्ष्य विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने जनपदवासियों से आह्वान किया है कि वे पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के निर्माण के लिए एक पेड़ मां के नाम अभियान में बढ़-चढ़कर सहभागिता करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपनी मां के सम्मान और प्रकृति के संरक्षण के संकल्प के साथ कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए तथा उसके संरक्षण का भी दायित्व निभाए। जिलाधिकारी ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जनपद जालौन में लगभग 10 लाख पौधों के रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके अंतर्गत विभिन्न विभागों, ग्राम पंचायतों, नगर निकायों, शिक्षण संस्थानों एवं सामाजिक संगठनों के सहयोग से व्यापक वृक्षारोपण अभियान संचालित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान जनपद को हरित एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। जिलाधिकारी ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ व सुरक्षित भविष्य की आधारशिला भी हैं। बढ़ते तापमान, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए जनभागीदारी के साथ व्यापक स्तर पर पौधरोपण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि एक पौधा लगाना केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति और मातृत्व के प्रति सम्मान व्यक्त करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने जनपदवासियों, युवाओं, विद्यार्थियों, स्वयंसेवी संगठनों, ग्राम पंचायतों, नगर निकायों एवं सामाजिक संस्थाओं से अपील की कि वे विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधरोपण कर उसकी फोटो अथवा सेल्फी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा करें, जिससे अधिक से अधिक लोग इस अभियान से प्रेरित होकर जुड़ सकें। उन्होंने कहा कि पौधरोपण के साथ-साथ पौधों का संरक्षण भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जिससे लगाए गए पौधे भविष्य में विशाल वृक्ष बन सकें। जिलाधिकारी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। एक पेड़ मां के नाम अभियान इसी दिशा में जनभागीदारी को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने सभी नागरिकों से आग्रह किया कि वे केवल पौधा लगाने तक सीमित न रहें, बल्कि उसके संरक्षण एवं संवर्धन का भी संकल्प लें, ताकि जालौन को हरित, स्वच्छ एवं पर्यावरण-अनुकूल जनपद बनाया जा सके। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यदि जनपद का प्रत्येक नागरिक इस अभियान से जुड़कर एक-एक पौधा लगाए और उसकी देखभाल सुनिश्चित करे, तो जालौन में हरियाली बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का एक सशक्त जनआंदोलन खड़ा किया जा सकता है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए अमूल्य धरोहर सिद्ध होगा।

सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं, पुलिया व सड़क निर्माण जल्द शुरू

क्यूँ न लिखूँ सच/ नीरज कुमार/ उरई। सदर विधानसभा क्षेत्र के विधायक गौरी शंकर वर्मा ने क्षेत्र के ग्राम हरदोई का दौरा कर ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने विधायक को अवगत कराया कि गांव की मुख्य सड़क के किनारे पुलिया न होने के कारण बरसात के दिनों में जलभराव की स्थिति बन जाती है। इससे राहगीरों, स्कूली बच्चों, किसानों और बुजुर्गों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों की बातों को ध्यानपूर्वक सुनने के बाद विधायक गौरी शंकर वर्मा ने समस्या को प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने का आश्वासन दिया। उन्होंने मौके पर ही अपनी विधायक निधि से पुलिया एवं सड़क निर्माण कार्य को स्वीकृति प्रदान की। साथ ही संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और कार्य शीघ्र प्रारंभ कराया जाए। विधायक ने अधिकारियों से स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए, ताकि भविष्य में ग्रामीणों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो। अधिकारियों ने विधायक को आश्वस्त किया कि आगामी दिनों में पुलिया एवं सड़क निर्माण का कार्य शुरू कर दिया जाएगा और समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाएगा। इस अवसर पर विधायक गौरी शंकर वर्मा ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के बिना क्षेत्र का समग्र विकास संभव नहीं है। सड़क और पुलिया जैसे बुनियादी ढांचे से गांव की प्रगति को नई दिशा मिलती है। वे अपने विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव तक विकास की रोशनी पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। विधायक के इस सकारात्मक कदम से ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों ने उनके प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लंबे समय से चली आ रही समस्या के समाधान की पहल से उन्हें बड़ी राहत

जोल्हूपुर फ्लाईओवर बनने का रास्ता साफ, 987 मीटर लंबे प्रोजेक्ट से जाम और हादसों पर लगेगी लगाम

क्यूँ न लिखूँ सच/पवन कुमार/ जालौन। राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित जोल्हूपुर मोड़ की पहचान अब केवल जाम और सड़क दुर्घटनाओं के लिए नहीं रहेगी। लंबे समय से क्षेत्रवासियों द्वारा उठाई जा रही मांग पर आखिरकार एनएचएआई ने 987 मीटर लंबे फ्लाईओवर के निर्माण की दिशा में ठोस पहल शुरू कर दी है। मंगलवार को एनएचएआई और वन विभाग की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थल का निरीक्षण किया तथा परियोजना क्षेत्र की नापजोख कर पेड़ों का आकलन शुरू किया। जोल्हूपुर मोड़ चौराहा हमीरपुर रोड और राष्ट्रीय राजमार्ग को जोड़ने वाला प्रमुख यातायात केंद्र है। यहां दिनभर भारी वाहनों से लेकर छोटे वाहनों तक की आवाजाही बनी रहती है, जिसके चलते अक्सर लंबा जाम लग जाता है। इसके अलावा आए दिन होने वाली सड़क दुर्घटनाओं ने भी इस चौराहे को संवेदनशील बना दिया है। ऐसे में फ्लाईओवर निर्माण को क्षेत्र के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। एनएचएआई के सिक्स लेन हाईवे विस्तार प्रोजेक्ट के तहत प्रस्तावित फ्लाईओवर पूर्व मंत्री के पेट्रोल पंप के पास से शुरू होकर मोतीनगर गांव के निकट समाप्त होगा। इसकी कुल लंबाई 987 मीटर निर्धारित की गई है, जिससे चौराहे पर वाहनों की आवाजाही सुगम होगी और जाम की समस्या काफी हद तक खत्म होने की उम्मीद है। एनएचएआई के अधिकारी इंग्लेश शर्मा ने बताया कि फ्लाईओवर और हाईवे चौड़ीकरण के लिए प्रारंभिक सर्वेक्षण किया जा रहा है। परियोजना क्षेत्र में आने वाले पेड़ों का विवरण वन विभाग से मांगा गया है, ताकि आगे की कार्रवाई समयबद्ध ढंग से पूरी की जा सके। वहीं वन दरोगा अजीत यादव ने बताया कि हाईवे विस्तार की जद में वन विभाग के लगभग 50 पेड़ सहित अन्य पेड़ भी आ रहे हैं। उनका आकलन कर एक-दो दिन में रिपोर्ट एनएचएआई को सौंप दी जाएगी। फ्लाईओवर निर्माण की प्रक्रिया शुरू होने से क्षेत्रीय लोगों में उत्साह है। लोगों का मानना है कि परियोजना पूरी होने के बाद जोल्हूपुर चौराहे पर वर्षों पुरानी जाम की समस्या से राहत मिलेगी और सड़क दुर्घटनाओं में भी कमी आएगी।

करोड़ों के दावों के बीच जमीनी हकीकत उजागर-46 लाख की पेयजल योजना बनी शोपीस, बैजनपाठ के 30 से अधिक परिवार एक साल से पानी के लिए परेशान

क्यूँ न लिखूँ सच/ सूरजपुर। शासन द्वारा हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, लेकिन सूरजपुर जिले के दूरस्थ चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र के बैजनपाठ गांव की स्थिति इन दावों की पोल खोलती नजर आ रही है। ग्राम पंचायत खोहीर के आश्रित ग्राम बैजनपाठ में लगभग 46 लाख रुपये की लागत से स्थापित सोलर आधारित पेयजल योजना पिछले एक वर्ष से दम तोड़ रही है। योजना का मुख्य सोलर पंप बंद होने के कारण गांव के मझारी टोला और पूर्वी टोला के 30 से अधिक परिवार गंभीर पेयजल संकट का सामना कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, उपका घाट क्षेत्र में सोलर पंप स्थापित कर पाइपलाइन के माध्यम से गांव तक पानी पहुंचाने की व्यवस्था की गई थी। योजना शुरू होने के बाद ग्रामीणों को कुछ समय तक इसका लाभ मिला, लेकिन मोटर खराब होने के बाद पूरी व्यवस्था ठप हो गई। स्थिति यह है कि लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद ग्रामीणों को आज भी पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। गांव के निवासी राधेश्याम साकेत ने बताया कि संबंधित सोलर पंप लगभग एक साल से बंद पड़ा हुआ है। कई बार शिकायत करने के बावजूद आज तक इसे चालू नहीं कराया गया। इसके कारण पूर्वी टोला और मझारी टोला के लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। महिलाओं और बच्चों को दूर-दराज के जलस्रोतों से पानी लाना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में पेयजल संकट की खबरें लगातार मीडिया के माध्यम से प्रशासन तक पहुंचाई गईं, लेकिन जिम्मेदार विभागों ने समस्या के समाधान को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई। परिणामस्वरूप आज भी लोग पुराने जलस्रोतों और प्राकृतिक स्रोतों पर निर्भर रहने को मजबूर हैं। दो दिन पहले एक पंप चालू, दूसरा अब भी बंद- ग्रामीणों ने बताया कि गांव में स्थापित एक अन्य सोलर ड्यूल पंप में हाल ही में नया पंप लगाकर उसे चालू कर दिया गया है, जिससे कुछ हिस्सों में पानी की आपूर्ति शुरू हो गई है। लेकिन जिस पंप से मझारी टोला और पूर्वी टोला को पानी मिलना था, वह अब भी बंद पड़ा हुआ है। इससे प्रभावित परिवारों की परेशानी जस की तस बनी हुई है।

जिला प्रभारी का दावा - पंप चालू, पानी की समस्या नहीं- वहीं क्रेडा विभाग के जिला प्रभारी सुजीत श्रीवास्तव ने दावा किया कि संबंधित पंप को चालू करा दिया गया है और वहां अब पानी की कोई समस्या नहीं है। हालांकि ग्रामीणों का कहना है कि जमीनी स्तर पर स्थिति अभी भी सामान्य नहीं हुई है और प्रभावित टोले के लोगों को नियमित रूप से पानी नहीं मिल रहा है। सवालों के घेरे में 46 लाख की योजना- एक ओर सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल उपलब्ध कराने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, वहीं दूसरी ओर लाखों की योजनाएं रखरखाव के अभाव में दम तोड़ रही हैं। बैजनपाठ की यह योजना भी अब सवालों के घेरे में है कि आखिर 46 लाख रुपये खर्च होने के बाद भी ग्रामीणों को पानी के लिए संघर्ष क्यों करना पड़ रहा है?

ग्रामीणों की मांग- ग्रामीणों ने कलेक्टर सूरजपुर और जिला प्रशासन से मांग की है कि मामले की जांच कर बंद पड़े सोलर पंप को तत्काल चालू कराया जाए तथा जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक पेयजल व्यवस्था पूरी तरह बहाल नहीं होती, तब तक क्षेत्र के लोगों को राहत नहीं मिल पाएगी। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या 46 लाख रुपये की यह योजना केवल कागजों तक सीमित रह जाएगी, या फिर प्रशासन ग्रामीणों को पेयजल संकट से राहत दिलाने के लिए ठोस कदम उठाएगा?

ग्रामीणों ने सूरजपुर कलेक्टर से मांग की है कि बैजनपाठ गांव की पेयजल समस्या की तत्काल जांच कराई जाए तथा एक वर्ष से बंद पड़े सोलर पंप को अविलंब बदलकर नया पंप स्थापित कराया जाए। ग्रामीणों का आरोप है कि संबंधित विभाग और जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही के कारण दर्जनों परिवार पेयजल संकट झेलने को मजबूर हैं। उन्होंने मांग की है कि मामले में दोषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जवाबदेही तय करते हुए उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ग्रामीण क्षेत्रों की महत्वपूर्ण जनहित योजनाएं उपेक्षा का शिकार न हों।

संक्षिप्त समाचार

एसडीओ धर्मेंद्र कुमार से मुलाकात की सभासद माधव यादव ने नगर की बिजली सप्लाई ठीक दिये जाने की मांग की

क्यूँ न लिखूँ सच/पवन कुमार/ कोंच(जालौन)। नगर पालिका परिषद कोंच के युवा सभासद माधव यादव ने विद्युत सब कार्यालय में पहुंच कर नवागत एसडीओ धर्मेंद्र कुमार से मुलाकात की और उन्हें नगर की समस्याओं से संबंधित कुछ मांगे रखी जिनपर एसडीओ धर्मेंद्र कुमार ने भरोसा दिलाया है कि नगर में बिजली की किसी तरह की समस्या नहीं आने देंगे नगर में इस भीषण गर्मी में बिजली की सप्लाई अच्छी देने किया जावेगा उपभोक्ता के हित में ही कार्य होंगे उन्होंने कहा कि उपभोक्ता अपना अपना बकाया बिजली का बिल समय से जमा करे साथ ही बिजली की चोरी न करें अगर कोई व्यक्ति बिजली की चोरी कर रहा है तो इसकी गोपनीय सूचना दे ताकि समय पर उसके खिलाफ कार्यवाही की जा सके इस अवसर पर कई विभागीय कर्मचारी मौजूद रहे।

पत्रकार राहुल यादव कालपी की दादी का निधन शोक की लहर

क्यूँ न लिखूँ सच/पवन कुमार/ कोंच(जालौन)। जनपद जालौन के युवा पत्रकार राहुल यादव करमचंद्र पुर की परम पूज्य दादी जी श्री मति लक्ष्मी देवी का हृदय गति रुक जाने के कारण दुखद निधन हो गया है इस दुखद घटना को लेकर पत्रकार लालसिंह यादव जितेंद्र कुशवाहा पवन कुमार जान मुहम्मद आदित्य वेद चंद्रपाल हेमंत यादव नंदलाल यश कुशवाहा राजेंद्र विश्वकर्मा नीरज कुमार आदि ने शोक संवेदनाएं व्यक्त की।

मानसून से पहले अलर्ट मोड में प्रशासन, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की होगी विशेष निगरानी

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा कटारे / शिवपुरी । आगामी मानसून को देखते हुए जिला प्रशासन ने बाढ़ एवं जलभराव की संभावित स्थितियों से निपटने के लिए व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में अपर कलेक्टर दिनेश चंद्र शुक्ला ने जिले के सभी एसडीएम, तहसीलदारों एवं संबंधित अधिकारियों को बाढ़ आपदा प्रबंधन के लिए आवश्यक तैयारियां समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में अधिकारियों को ऐसे क्षेत्रों की पहचान करने के निर्देश दिए गए जहां पूर्व वर्षों में बाढ़ अथवा जलभराव की स्थिति बनी थी। साथ ही बाढ़ प्रभावित गांवों, पहुंचविहीन क्षेत्रों, गोताखोरों एवं तैराकों की सूची तैयार करने तथा संभावित राहत शिविरों के लिए उपयुक्त स्थान चिन्हित करने को कहा गया। प्रशासन ने सभी तहसीलों में 24 घंटे संचालित होने वाले बाढ़ राहत कंट्रोल रूम स्थापित करने के निर्देश भी दिए हैं। इन कंट्रोल रूमों में कर्मचारियों की नियमित ड्यूटी लगाई जाएगी ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया जा सके। इसके अलावा प्रत्येक अनुविभाग में स्थानीय अमले के साथ कम्युनिकेशन टीम गठित की जाएगी, जो ग्रामीण क्षेत्रों से लगातार संपर्क बनाए रखेगी और किसी भी प्राकृतिक आपदा की सूचना मिलने पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करेगी। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मानसून के दौरान जनहानि और संपत्ति के नुकसान को रोकने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं तथा अधिकारियों को पूरी तत्परता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

Vaishno Devi Yatra: Visit Vaishno Devi in ??just 2 days, learn the complete route and cost

Can you visit Vaishno Devi and return in just 2 days? Yes, with proper planning, you can visit Vaishno Devi and return in 2 days. Arriving in Katra on the first day, you can begin your journey in the evening and have darshan at night. On the second day, after visiting Bhairav ??Baba, you can return to Katra by afternoon and return by train or flight. One of India's most famous religious sites, the shrine of every year. To reach this sacred Mountains in Jammu and 13 kilometers from Katra. Many constraints, wonder if it's possible days. The good news is that with Devi Yatra in 2 days is absolutely flight, or road on time and prepare comfortably visit the Mata and regarding travel times, hotel and expenses is essential. This Yatra plan. It includes the route the trek from Katra to Bhawan, beverage budget, and a complete first-time pilgrims. The entire route convenient way to travel to Vaishno friendly. The Katra railway station Direct trains are available from departs at 8:30 pm and reaches eight and a half hours later. For a train from New Delhi to Jammu pm. For a much faster journey, you

Vaishno Devi attracts millions of devotees shrine of Mata Rani, located on the Trikuta Kashmir, devotees must trek approximately people, due to job demands, studies, or time to visit Vaishno Devi and return in just 2 proper planning, completing the Vaishno possible. If you arrive in Katra by train, for your journey in advance, you can return. However, prior information bookings, travel permits, walking routes, article will provide a complete Vaishno Devi from Delhi, Uttar Pradesh, and other states, helicopter options, hotel expenses, food and two-day itinerary, ensuring no hassles for to Vaishno Devi by train is the most Devi Dham. Traveling by train is budget- is the closest to the Vaishno Devi temple. Delhi to Katra. The Rajdhani Express your destination by 5 am, approximately quicker journey, book the Vande Bharat Tawi. It departs at 6 am and arrives at 12:50 can also book a flight. The nearest airport to the shrine is in Jammu. Katra is approximately 50 km from Jammu Airport. From the airport, you can reach Katra by taxi or bus, which takes 1.5 to 2 hours. For travelers with a budget, air travel is best. By Road: Bus service is also available from Delhi to Katra. Many tour and travel packages also offer road trips to Vaishno Devi. A taxi or private vehicle can also reach Katra in 10-12 hours. The roads to Katra are in good condition. Note: For first-time travelers, the train is considered the most economical option. How difficult is the trek from Katra to Bhawan? Whether you travel by road, train, or air, Katra is your destination. The trek to Vaishno Devi Temple begins from here. The distance from Katra to Bhawan is approximately 13 kilometers. The Bhairavnath Temple is an additional 2 kilometers from Bhawan. Typical pilgrims can reach Bhawan by foot in 5 to 8 hours. Water, food, toilets, and medical facilities are available along the way. Alternative means of transportation are available for those who have difficulty walking or trekking. Alternative means include horseback riding, palanquin service, porter service, battery-powered cars (on designated routes), helicopter service (depending on weather and availability). If you are in good shape, the trek can be completed comfortably. How to visit Vaishno Devi in ??two days? If you don't have a holiday, you can travel for two days on a weekend. Start your journey on Friday evening or night to reach your destination on time. Day 1: Arrive in Katra by morning or afternoon. Check in at the hotel. Freshen up and relax. There is an official Shrine Board counter near the Katra bus stand, where you can obtain a travel pass. Start the climb between 5 and 7 p.m. and reach Ardhkumwari by nightfall. Arrive at the temple at dawn and have darshan. Day 2: After visiting Vaishno Devi, walk two kilometers to visit Bhairav ??Baba. After visiting Bhairav ??Baba, begin your descent. You can easily return to Katra by noon. Return to the hotel and rest for a while. In the evening, depart for your hometown by train, flight, or bus. What will be the total cost of the trip? If you're looking to travel on a budget, train tickets, including round-trip fares, can cost approximately 1,500 to 3,000 rupees. Hotel rooms can cost approximately 800 to 2,000 rupees. Food can cost 300 to 700 rupees. Local travel and transportation can cost 200 to 800 rupees. The estimated total cost per person is 3,000 to 6,000 rupees. Travel by flight: For a comfortable, short-term journey, you can travel by flight. Flights can cost more, with flights costing approximately ?3,000 to ?8,000. Taxis or buses from Jammu to Katra can cost ?500 to ?1,500. Hotel accommodations can cost ?1,000 to ?3,000. Meals can cost ?500 to ?1,000. The total cost of a flight trip can range from ?5,000 to ?12,000. Costs can vary depending on the season and booking time. How do I get a Vaishno Devi Yatra Parchi? A Yatra Parchi is mandatory for the journey. You can obtain this Yatra Parchi online or from offline counters in Katra. After receiving the Yatra Parchi, you are given an RFID travel card at the entry point. Online Booking - To obtain the Yatra Parchi, visit the official website and log in with your mobile number. Select the Yatra Parchi option and enter your travel details (name, Aadhaar number, etc.). You can book the Yatra Parchi from home, print it out, and then begin your journey. Offline Parchi - There are Yatra registration counters at Katra Bus Stand, Railway Station, and Banganga to obtain the Yatra Parchi offline. You can obtain the Parchi by presenting your identity proof, such as your Aadhaar card or voter ID. Horse, Palanquin, or Helicopter Costs - If you prefer a horse, palanquin, taxi, or helicopter for the Vaishno Devi Yatra, the official fares are set by the Shri Mata Vaishno Devi Shrine Board. Horse fares from Katra to Bhawan can cost approximately ?1,400 and ?700 to Ardhkumwari. Palanquin fares can range from ?3,000 to ?4,000. Battery Car fares - If you prefer, you can travel to Ardhkumwari on foot and then book a battery car, which costs ?450 per person. Helicopter fares - The one-way airfare from Katra to Sanjhi Chhat is approximately ?2,100 to ?2,320 per person. Note: Advance booking for battery cars or helicopters can only be made through the official website of the Shri Mata Vaishno Devi Shrine Board. Booking for horses, mules, and palanquins is available only through the official counters in Katra. Accommodation and Important Tips: Where to Stay? - Budget to luxury hotels are available in Katra. The Shrine Board's Dharamshala facilities are also available. Restrooms are also available in Bhawan and Ardhkumwari. Important Tips: Get your travel permit in advance online or in Katra. Wear comfortable shoes. Pack light luggage. Book hotels in advance on busy days. Senior citizens can opt for helicopters or battery cars.

PSA Test: This disease kills 400,000 people annually; a simple blood test could save your life.

Prostate cancer is one of the most common cancers in men worldwide. Fortunately, if detected early, treatment success rates can be significantly improved. The prostate-specific antigen (PSA) test can help detect this risk early. Medical reports reveal that many diseases persist in the body for a long time, but often do not give any significant indication. Due to the lack of obvious symptoms, they can go being detected when it has already advise everyone to have regular blood pressure, diabetes, heart rapidly. Prostate cancer is one of to the American Cancer Society, and the fifth leading cause of 400,000 people annually, and more that if it's detected early, the A prostate-specific antigen (PSA) specific antigen (PSA) test? The that helps identify changes in the alone doesn't confirm cancer, it is investigation. Health experts prostate exams, as advised by a be at even greater risk. Paying tested early can significantly test reveal? The PSA test measures prostate gland. Under normal

undetected, and the disease progresses slowly, often only spread and become serious. This is why health experts health checkups. When it comes to men's health, high disease, and prostate-related problems are increasing the most common cancers in men worldwide. According prostate cancer is the second most common cancer in men cancer-related deaths. Globally, it kills approximately than 1.5 million are newly diagnosed with it. Doctors say chances of cure and survival are significantly improved. test can be very helpful in this regard. What is a prostate- prostate-specific antigen (PSA) test is a simple blood test prostate gland. Doctors say that while a high PSA level considered an important indicator, warranting further advise that men over the age of 50 should have regular doctor. Those with a family history of prostate cancer may attention to the symptoms of prostate cancer and getting reduce the risk of this deadly disease. What does a PSA prostate-specific antigen (PSA), a protein produced by the circumstances, a small amount is present in the blood. When abnormal changes occur in the prostate gland, levels of this protein increase. Doctors evaluate this report in conjunction with the patient's age, medical history, and other tests. Sometimes, PSA can be elevated even when cancer is not present, and in some cases, PSA may not be elevated even when cancer is present. Patients with a history of the disease and a high PSA may also undergo a biopsy and other tests to confirm cancer. Who is required to undergo this test? Experts recommend that all men undergo this test after the age of 50, as advised by their doctor. People who have a family history of prostate cancer may need to consult a doctor at the age of 45 or even earlier. If your father, brother or other close relative has had prostate cancer, then timely screening becomes very important. What are the symptoms of prostate cancer? Health experts say that along with regular checkups, all men should pay serious attention to the symptoms of prostate problems from an early age. Some symptoms also indicate that you need to get tested. Although these symptoms are not only of cancer and can also be seen in many other prostate problems. Frequent urination, getting up several times at night to urinate, difficulty in starting urination - weak urine stream. Blood in urine or semen. Frequent pain in the pelvic area.

Priyanka Chopra took some time for herself amid the shooting of "Varanasi," spending some leisure time in the swimming pool.

Priyanka Chopra is currently busy filming her upcoming film "Varanasi." She shared some photos on social media, suggesting she's taken some time for herself amid her workload. The

renowned actress is currently in the news for her upcoming film "Varanasi." She is currently shooting for the film in Hyderabad. Meanwhile, she took some time for herself over the weekend, giving fans a glimpse into her daily routine on social media. Priyanka Chopra's leisure time - Global star Priyanka Chopra shared several photos and videos on Instagram, showing how she spent her day away from the cameras. From swimming to self-care sessions, Priyanka seemed to be making the most of her free time before returning to work. Posing in swimwear - In the photos, the actress was seen posing in black swimwear by a pool, enjoying the summer heat. She also shared a video of her swimming session, which gave a glimpse of her relaxing day. Priyanka ate berries - Along with moments spent by the pool, Priyanka also posted pictures of her skincare routine. In one picture, she was seen wearing a face mask. Another picture also showed her enjoying berries. In the caption of the post, she wrote, "Sunday well spent, now summer is welcome..." "Varanasi" star cast - Priyanka is currently shooting for the film "Varanasi", directed by SS Rajamouli. Mahesh Babu is in the lead role in this film, while Priyanka will be seen playing the role of Mandakini. Prithviraj Sukumaran is also in it. "Varanasi" is scheduled to release in theatres in April 2027.

Previously revered as goddesses, women are now subjected to these expectations after having a child; Kiara recounts a bitter experience

Kiara Advani has shared her experience after becoming a mother. She explained that pregnant women are treated well, but people's attitudes towards them change after becoming mothers.

Actress Kiara Advani is in the news for her upcoming film "Toxic." She recently became a mother. Meanwhile, she has spoken about the expectations women often face after becoming mothers. She noted how people's attention shifts from celebrating a woman's pregnancy to other things. Kiara shares her experience after becoming a mother: Talking about the changes in her life since becoming a mother, Kiara told the Bombay Times, "This experience has been wonderful in every way. I feel that directors who work with me now will get to see the best version of me." This journey of becoming a mother has opened up a new dimension in my understanding of the world. Things change after becoming a mother - She said, "The most interesting thing is that when you are pregnant, everyone says, 'Wow, you are glowing so much, you look so beautiful.' But as soon as you give birth to a child, the thoughts change. People say, 'Now you are looking fat, you look a little like this, a little like that.' Expectations from a mother - The actress said, "When you are pregnant, people worship you like a goddess, but as soon as you give birth to a child, they start expecting you to immediately return to your old fitness and work. The most difficult time for women is after childbirth. This is the time when they need the most support." It takes a whole village - Kiara said, "It is said that it takes a whole village to raise a child. Similarly, it takes a whole village to take care of a mother. Kiara's marriage - Let us tell you that Kiara and Siddharth got married in 2023. Their daughter Saraya was born on July 15, 2025. - Kiara's upcoming film 'Toxic' will be released in theaters on June 4.

Taapsee Pannu worked out excessively to achieve a perfect figure, now making a special request to girls.

Taapsee Pannu has urged women not to exhaust themselves in pursuit of a perfect figure. She also mentioned the difficulties she faced. Taapsee Pannu is often in the news for her statements.

Recently, the actress spoke about her body image struggles. She explained that she worked very hard to look slim and fit. In this effort, she tormented herself. She recalled a period in her life when she felt immense pressure to look a certain way. Taapsee exhausted herself - Taapsee Pannu shared on her Instagram Stories, "I remember being obsessed with having a flat stomach because I was so fit growing up, but I never understood why I always had lower abdominal fat. I worked out so hard to lose it that I exhausted myself beyond measure." It's absolutely true that when you overexert yourself, an alarm bell rings in your brain that your body needs protection. What happens when you exercise too much? Taapsee further explained that instead of expelling water, the body starts storing it. Then, the fat in the lower abdomen, which isn't just fat but also water retention, stays there. Excessive exercise further increases this risk. Taapsee believes that people shouldn't do this at all. Every woman's body is different. Taapsee further explained that every woman's body is different, and we should accept this. She explained that she realized this too late, after torturing herself a lot. Then she realized that there are some days when the stomach looks a little bloated, and some days it doesn't. Nutritionist's advice - She said, "My nutritionist explained to me that it's actually important to have a little fat and a little water retention in the lower abdomen. This is because that's where your reproductive organs are, which need protection. As a woman, you need that protection." She concluded, "It's healthy for you. So, please don't torture yourself just to post perfect-looking pictures on Instagram. A little bulge and a little fat in the lower abdomen is considered healthy." Taapsee Pannu's work front - Taapsee Pannu was last seen in the film "Assi." Directed by Anubhav Sinha, the film didn't do well at the box office.